व्याकरण वृक्ष 4

शिक्षक-दर्शिका

Harbour Press
INTERNATIONAL

भाषा और व्याकरण पाठ योजना: 1

आज की अवधारणा

छात्रों को भाषा व उसके रूपों, हिंदी की अन्य भाषाओं के बारे में बताना, लिपि व बोली का अंतर समझाना, राजभाषा के रूप में हिंदी की उपयोगिता बताना। मातृभाषा एवं व्याकरण की महत्ता से परिचित कराना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

छात्र मातृभाषा का प्रयोग अपने दैनिक व्यवहार में करते आ रहे हैं। वे जानते हैं कि हिंदी की लिपि देवनागरी है तथा हम भाषा के मौखिक व लिखित रूपों का प्रयोग करते आ रहे हैं।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में भाषा एवं व्याकरण संबंधी नियमों के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- भाषा के रूपों (मौखिक व लिखित) संबंधी माध्यमों को जानने में।
- विभिन्न राज्यों में कौन-कौन सी भाषाओं का प्रयोग किया जाता है? यह जानने में,
- विभिन्न भाषाओं की लिपियों को समझने में।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को राजभाषा के रूप में हिंदी की महत्ता से अवगत कराना।
- व्याकरण के माध्यम से शुद्ध वर्तनी का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करना।
- विभिन्न प्रकार की भाषाओं तथा उनकी लिपियों को जानने के प्रति रुझान उत्पन्न करना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों के भीतर भाषा के रूपों के साधनों तथा विभिन्न देशों की भाषाओं एवं उनकी लिपियों को जानने के प्रति कौतूहल उत्पन्न करना।

गतिविधियाँ

छात्रों के साथ लिखित एवं मौखिक रूप के विभिन्न साधनों को लेकर प्रश्नोत्तरी खेलना अथवा भारत देश में किस राज्य में कौन-सी भाषा बोली जाती है इस संदर्भ में छात्रों की दो टीम बनाकर खेल खेलना।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में व्याकरण संबंधी प्राथमिक कक्षाओं की पुस्तकें।
- यूट्यूब पर विश्व की भाषाओं एवं उनकी लिपियों से संबंधित वीडियो क्लिप्स।
- भारत एवं उसके राज्यों में बोली जाने वाली भाषाओं का चार्ट पेपर।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय: पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि भाषा का प्रयोग केवल मनुष्य ही कर सकता है, पशु-पक्षी तो केवल अपनी आवाज़ निकालकर आपस में बात करते हैं, किंतु वे भाषा के माध्यम से अपने भावों का आदान प्रदान नहीं कर सकते।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य: छात्रों को भाषा के संबंधा में बताना। उनमें भाषा के संबंधा में उत्सुकता जागृत करना।	• छात्रों को बताएँ कि भाषा एक-दूसरे तक अपनी बात पहुँचाने तथा अपने भावों और विचार को प्रकट करने का माध्यम है तथा इसके दो रूप लिखित एवं मौखिक हैं। • उन्हें बताएँ कि हम मुँह से बोलकर या लिखकर ही अपनी बात किसी को बता सकते हैं। यही भाषा के मौखिक व लिखित रूप हैं। • उनसे पूछें कि भाषा के रूपों को प्रकट करने के अलग-अलग दृश्य-श्रव्य साधन कौन-से हैं। • छात्रों को बताएँ कि भारत में अनेक भाषाएँ बोली, समझी व लिखी जाती हैं। प्रत्येक राज्य की अपनी एक भाषा है। उनसे उस राज्य की भाषा बताने को कहें जिस राज्य से वे संबंध रखते हैं। • अब छात्रों को बताएँ कि हिंदी भाषा की लिपि देवनागरी है यह तो आप जानते ही हैं। इसी प्रकार विश्वभर में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं तथा प्रत्येक भाषा की अपनी लिपि है। • उनसे प्रश्न करें कि क्या वे भी विश्व की किसी अन्य भाषा तथा उसकी लिपि का नाम जानते हैं।

<table>
<tr><td></td><td>

- भाषा की छोटी इकाई बोली है, इससे उन्हें परिचित कराएँ।
- छात्रों को यह भी बताएँ कि किसी राज्य या देश की घोषित भाषा 'राजभाषा' कहलाती है जो कि सभी राजकीय काम-काजों में प्रयुक्त की जाती है। हमारे देश की राजभाषा हिंदी है।
- उनसे पूछें कि आप हिंदी भाषा को कहाँ-कहाँ प्रयुक्त करते हैं।
- मातृभाषा से अवगत कराते हुए उन्हें बताएँ कि जन्म लेने के पश्चात् व्यक्ति जो प्रथम भाषा सीखता है, वही उसकी मातृभाषा कहलाती है।
- अंतत: उन्हें व्याकरण का ज्ञान कराते हुए बताएँ कि जिस तरह आपके विद्यालय में अनुशासन बनाए रखने के लिए कुछ नियमों का पालन किया जाता है उसी प्रकार भाषा को शुद्ध रूप से लिखने, बोलने के भी नियम होते हैं और इसका ज्ञान व्याकरण द्वारा ही मिलता है।

</td></tr>
<tr><td>पाठ की समाप्ति</td><td></td></tr>
<tr><td>उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन
समय : पाँच मिनट</td><td>छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।</td></tr>
</table>

कार्यपत्रिका

1. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

क. बोली किसे कहते हैं?

....

ख. हिंदी दिवस कब मनाया जाता है?

....

ग. मातृभाषा किसे कहते हैं?

....

घ. लिपि किसे कहते हैं?

....

2. अनेक वाक्यों में उत्तर दीजिए।

क. भाषा के मौखिक व लिखित रूप को स्पष्ट कीजिए।

....

....

....

ख. 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में क्यों मनाया जाता है?

....

....

....

....

3. निम्नलिखित भाषाओं को उनके राज्यों से मिलाइए।

भाषाएँ	राज्य
असमिया	तमिलनाडु
डोगरी	गुजरात
तेलुगु	बिहार
मराठी	असम
उड़िया	जम्मू और कश्मीर
मैथिली	उड़ीसा
तमिल	महाराष्ट्र
सिंधी	आंध्र प्रदेश

4. दिए गए वाक्यों में ✓ या ✗ निशान लगाइए।

क) 'भाषण देना' भाषा का लिखित रूप है। ☐

ख) बोडो भाषा असम में बोली जाती है। ☐

ग) पंजाबी की लिपि फारसी है। ☐

घ) राजकीय प्रयोजनों में प्रयोग की जाने वाली भाषा राजभाषा कहलाती है। ☐

ङ) भाषा के सही नियमों का ज्ञान कराने वाला शास्त्र व्याकरण कहलाता है। ☐

वर्ण-विचार पाठ योजना: 2

आज की अवधारणा

छात्रों को वर्ण, वर्णों के भेद, वर्ण-विच्छेद तथा वर्णमाला के बारे में बताना। स्वर व व्यंजन को समझाना। संयुक्त व्यंजन तथा द्वित्व व्यंजन में अंतर स्पष्ट करना। व्यंजन वर्ण के साथ मात्रा प्रयोग तथा 'र' के विभिन्न प्रयोग और रूपों पर चर्चा करना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

इससे पहले पाठ से छात्रों को 'भाषा और व्याकरण' की जानकारी मिली है। वे जानते हैं कि मन के भावों को दूसरों तक पहुँचाने और ग्रहण करने का साधन भाषा है और भाषा के शुद्ध रूप की जानकारी हमें व्याकरण से ही मिलती है।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में वर्ण-विचार संबंधी नियमों को जानने के प्रति रूचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- वर्णों के भेदों के बारे में सोचने और विचार करने में,
- अनुस्वार और अनुनासिक शब्दों को ध्यान से पढ़ने, सुनने व लिखने में,
- व्यंजन वर्ण के साथ मात्रा प्रयोग को जानने में।

पाठ का उद्‌देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्‌देश्य है–

- छात्रों को स्वर व व्यंजन में अंतर स्पष्ट कराना।
- व्यंजन वर्णों के उच्चारण स्थानों को जानने के प्रति उत्सुकता पैदा करना।
- उन्हें मात्रा का सही ज्ञान और प्रयोग करना बताना।
- वर्ण-विच्छेद की परिभाषा से अवगत कराकर उसे उदाहरण सहित स्पष्ट करना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों को अयोगवाह के बारे में समझाकर उनसे संबंधित शब्दों को अधिक से अधिक बनाने में रुचि उत्पन्न करना।

गतिविधियाँ

आप अपनी एक कॉपी में रोज़ कोई पाँच-पाँच कठिन शब्द उनके अर्थ सहित लिखिए। सहायता के लिए हिंदी शब्दकोश की मदद ले सकते हैं। इस तरह आपका अपना एक शब्दकोश तैयार हो जाएगा।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्‌यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध वर्ण-विचार संबंधी पुस्तकें।
- यूट्यूब पर स्वर तथा व्यंजन एवं मात्रा प्रयोग संबंधी वीडियो क्लिप्स।
- विद्‌यालय में संयुक्त व द्‌वित्व व्यंजनों की जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्‌देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय : पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि हम जो कुछ भी बोलते हैं, उन ध्वनियों के लिखने के लिए कुछ चिह्न निश्चित किए गए हैं, ये चिह्न ही वर्ण कहलाते हैं।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्‌देश्य : छात्रों को हिंदी भाषा की उपयोगिता बताते हुए विभिन्न देशों की भाषाओं को जानने के प्रति उत्सुकता जागृत करना।	• छात्रों को चित्र या चार्ट पेपर दिखाकर बताना कि भाषा की सबसे छोटी इकाई वर्ण है। • उन्हें बताना की वर्ण के दो भेद हैं—स्वर व व्यंजन। इनके अतिरिक्त अनुस्वार (अं) व अनुनासिक (अँ) भी होते हैं। इनका स्थान स्वर के बाद व व्यंजन से पहले होता है। • हिंदी में बोलने की दृष्टि से 'ऋ' स्वर नहीं है, लेकिन लिखने की दृष्टि से स्वर है। क्योंकि सभी स्वरों की तरह 'ऋ' का भी मात्रा-चिह्न होता है। विद्‌यार्थियों को अक्षर अर्थात्‌ वर्ण के महत्व को समझाएँ। • छात्रों को अलग-अलग प्रकार की ध्वनियाँ सुनाकर पूछें की यह किस चीज की ध्वनि है तथा उस ध्वनि से आपको किस वर्ण का ज्ञात हो रहा है? • उन्हें संयुक्त व द्‌वित्व व्यंजन स्पष्ट कर उनकी सूची बनाकर लाने को कहें। • पुस्तक की सहायता से पाठ से संबंधित प्रश्नोत्तरी खेलें। • श्यामपट्ट पर कुछ शब्द लिखें और छात्रों को उन्हें अपनी कार्य-पुस्तिका में वर्ण-विच्छेद करके लाने को कहें।

	• छात्रों को बताएँ 'ड' और 'ढ' वर्णों के नीचे अगर हम बिंदु लगाते हैं तो उनकी ध्वनि 'ड़' और 'ढ़' बन जाती है। • उन्हें समझाएँ कि 'र' के विभिन्न प्रयोग होते हैं जैसे–कार्य, रथ, ड्रम, क्रम आदि। इनका प्रयोग कब और कैसे किया जाता है। इसके बारे में हम अगली कक्षा में विस्तारपूर्वक बताएँगे। • कक्षा को दो भागों में विभाजित कर वर्णमाला से संबंधित एक वर्ग पहेली दें तथा उन्हें उस वर्ग पहेली को अपनी कार्य-पुस्तिका में उतारकर पूरा करने को दें।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें और आज के पाठ से उन्होंने जो कुछ सीखा है, उसकी संक्षिप्त में चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

क. स्वर किन्हें कहते हैं?

....

ख. मात्रा किसे कहते हैं?

....

ग. वर्णमाला किसे कहा जाता हैं?

....

घ. किसके ज्ञान से वर्तनी की गलतियों से बचा जा सकता हैं?

....

2. अनेक वाक्यों में उत्तर दीजिए।

क. अनुस्वार तथा अनुनासिक ध्वनियाँ किन्हें कहते हैं? उदाहरण सहित बताइए।

....

....

....

ख. संयुक्त व्यंजन एवं द्वित्व व्यंजन में अंतर बताइए। साथ ही दोनों के उदाहरण भी दीजिए।

....

....

....

ग. उच्चारण स्थान के आधार पर स्पर्श, अंतःस्थ तथा ऊष्म व्यंजन वर्ण कौन-से हैं? बताइए।

....

....

....

3. दिए गए शब्दों में अनुसार (ं) या (ँ) का प्रयोग करके उन्हें दोबारा लिखिए।

क.	बैगन	____________	ख.	कस	____________
ग.	मुह	____________	घ.	कितु	____________
ङ	हस	____________	च.	दात	____________

4. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए।

क.	स्वर	____________	ख.	ऊपर	____________
ग.	जुराब	____________	घ.	काटना	____________
ङ.	बकरी	____________			

5. सही शब्द छाँटकर रिक्त स्थान भरिए।

क. क्ष, त्र, ज्ञ, श को .... व्यंजन कहा जाता है। (मूल/संयुक्त)

ख. 'छाँव' शब्द में .... ध्वनि है। (अनुनासिक/अनुस्वार)

ग. .... की सहायता से व्यंजनों का उच्चारण नहीं किया जा सकता। (अक्षरों/स्वरों)

घ. श्, ष्, स्, ह् वर्णों को .... वर्ण कहा जाता है। (स्पर्श/ऊष्म)

ङ. हिंदी भाषा में .... वर्ण हैं। (43/46)

शब्द पाठ योजनाः 3

आज की अवधारणा

छात्रों को शब्द के बारे में बताना, शब्दों का सामान्य परिचय देकर उसकी परिभाषा से अवगत कराना, शब्दों के भेदों के बारे में बताकर सार्थक और निरर्थक शब्दों के बीच अंतर स्पष्ट करना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

विद्यार्थी जानते हैं कि प्रत्येक भाषा का अपना एक अर्थ होता है जो कुछ संकेत या चिह्नों के माध्यम से प्रकट होता है यह सब वे 'वर्ण-विचार' पाठ में पढ़ चुके हैं।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में शब्द-विचार संबंधी नियमों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- शब्दों के प्रयोगों व रूपों को जानने में,
- सार्थक व निरर्थक शब्दों को ध्यान से सुनने और लिखने में,
- दैनिक जीवन की भाषा में सार्थक और निरर्थक शब्दों के महत्व को जानने में।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को शब्दों के महत्व से अवगत कराना।
- शब्द के भेदों से परिचित कराना।
- सार्थक और निरर्थक शब्दों की भाषा में अलग-अलग उपयोगिता समझाना।

लक्ष्य कौशल

शब्दों को अलग-अलग तोड़कर उनसे सार्थक और निरर्थक शब्द बनाने को कहना। इससे छात्रों की शब्द-निर्माण करने के प्रति रुचि उत्पन्न होगी और वह अधिक से अधिक शब्द बनाने को प्रेरित होंगे।

गतिविधियाँ

हाल ही में आपकी मुलाकात आपके पसंदीदा अभिनेता या खिलाड़ी से हुई है। उनके व्यक्तित्व का परिचय देने के लिए आप किन शब्दों का प्रयोग करेंगे? छात्रों को अपनी कल्पना से उत्तर देने के लिए कहना।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध शब्द-निर्माण व शब्द-विचार संबंधी पुस्तकें।
- सार्थक और निरर्थक शब्दों से संबंधित जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।
- यूट्यूब पर शब्द के भेद संबंधी वीडियो क्लिप्स।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय: पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि जब दो से अधिक वर्णों के मेल से कोई सार्थक शब्द निकलता है, उसे शब्द कहते हैं।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य: छात्रों को शब्द निर्माण के बारे में बताना तथा शब्द के भेदों को जानने के प्रति उत्सुकता जागृत करना।	• छात्रों को बताएँ की शब्द के दो भेद होते हैं, जिन शब्दों का कोई अर्थ होता है, उन्हें सार्थक शब्द कहते हैं, तथा जिन शब्दों का कोई अर्थ नहीं निकलता, उन्हें निरर्थक शब्द कहते हैं। • उन्हें समझाएँ कि शब्द कोई से भी हो सकते हैं। चाहे पशु-पक्षी के नाम, खाने-पीने की चीज़ों के नाम, दिन-महीनों के नाम आदि। बस शब्दों में सार्थकता स्पष्ट होनी चाहिए। • अध्यापक, छात्रों के साथ शब्दों की अंत्याक्षरी खेले। वह पहले स्वयं एक शब्द बोलें तथा फिर सभी को एक-एक करके शब्द के आखिरी वर्ण से नया शब्द बनाने को कहें। • फिर उन्हें बताएँ कि इस अंत्याक्षरी में उनके पास कितने सारे शब्द इकट्ठे हो गए। परंतु कई छात्र ऐसे भी होंगे, जिन्होंने जल्दबाजी में वर्णों को आगे-पीछे भी जोड़ दिया होगा, जिससे कोई सार्थक शब्द नहीं होगा। उसके बारे में उनसे चर्चा करें। • छात्रों को पुस्तक की सहायता से सार्थक और निरर्थक शब्दों की पहचान करवाएँ जिससे वह दोनों प्रकार के शब्दों से अवगत हो सकें।

	• 'रोटी-वोटी' शब्द लिखकर छात्रों को इनमें से निरर्थक शब्द के बारे में पूछें। • कक्षा में छात्रों को श्रुतलेख के लिए शब्द बोलें तथा उन्हें उसे लिखने के बाद उसमें से सार्थक और निरर्थक शब्द ढूँढकर अलग-अलग लिखने को कहें।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय: पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो कुछ सीखा, उसकी संक्षिप्त में चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

क. शब्द किसे कहते हैं? अर्थ के आधार पर शब्दों के दो प्रकारों के नाम बताइए।

....

....

....

ख. सार्थक तथा निरर्थक शब्दों में अंतर बताइए। साथ ही दोनों के उदाहरण भी दीजिए।

....

....

....

2. निम्नलिखित वर्णों को मिलाकर शब्द बनाते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

क. द् + ओ + प् + अ + ह् + अ + र् + अ – ____________

....

....

ख. म् + अ + ह् + ए + श + अ – ____________

....

....

ग. स् + उ + ख् + अ + ब + ई + र् + अ – ____________

....

....

घ. प् + अ + च् + अ + प् + अ + न् + अ – ____________

....

....

ङ. ख् + अ + र् + ई + द् + अ + न् + आ – ______________

....

....

3. दिए गए सार्थक और निरर्थक शब्दों को अलग-अलग करके लिखिए।

सुहाना	विदेशी	शजदे	गिकयौ
शब्द	आनन	लआय	हरणउदा

सार्थक शब्द – ....

....

निरर्थक शब्द – ....

....

वाक्य — पाठ योजनाः 4

आज की अवधारणा

छात्रों को वाक्य निर्माण के बारे में बताना, वाक्य निर्माण का सामान्य परिचय उसकी परिभाषा समझाना, वाक्य के दोनों भेदों से अवगत कराकर उद्देश्य और विधेय को उदाहरण सहित स्पष्ट करना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

विद्यार्थी शब्द निर्माण व उसके दोनों भेदों से पूरी तरह परिचित हैं। वे जानते हैं कि सार्थक और निरर्थक शब्द कौन-से होते हैं।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में वाक्य-विचार संबंधी नियमों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे-

- वाक्य-निर्माण करने तथा उसके भेदों को जानने में,
- वाक्यों में से उद्देश्य और विधेय को अलग-अलग करके लिखने में,
- दैनिक जीवन में प्रयोग किए जाने वाले सार्थक वाक्यों के महत्व को जानने में।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है-

- सार्थक वाक्य-निर्माण से छात्रों को अवगत कराना।
- वाक्य बनाते समय ध्यान रखने योग्य जरूरी बातें बताना।
- उद्देश्य और विधेय को उदाहरण सहित स्पष्ट करना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों की कल्पनाओं को उन्मुक्त करते हुए उनके भीतर शब्दों को जोड़कर वाक्य निर्माण करने की क्षमता विकसित करना।

गतिविधियाँ

आपका मित्र वाक्य में उद्देश्य और विधेय की पहचान नहीं कर पाता है, आप उसकी सहायता कैसे करेंगे? बताइए। कक्षा में शिक्षक/शिक्षिका कुछ शब्दों की परजिजचयाँ तैयार करेंगे। एक-एक करके बच्चों से परचियाँ उठवाएँ। परची में लिखा जो शब्द जिस बच्चे के पास आएगा, उसे उस शब्द से वाक्य बनाने के लिए कहें।

सही वाक्य बनाने पर सारी कक्षा के सामने उसकी प्रशंसा कीजिए और गलत वाक्य बनाने पर प्यार से समझाते हुए उसे सही वाक्य बनाने के लिए प्रेरित कीजिए।

संकेतः- सूरज, हरियाली, खुशबू, झंडा
फूल, जादुई, स्कूल, देश

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध वाक्य-विचार संबंधी पुस्तकें।
- यूट्यूब पर वाक्य-निर्माण संबंधी वीडियो क्लिप्स।
- वाक्य निर्माण व उसके भेदों की जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समयः पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि शब्दों के क्रमबद्ध मेल को वाक्य कहते हैं जिससे अर्थ पूरी तरह स्पष्ट हो जाएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्यः छात्रों को संज्ञा से संबंधित जानकारी प्रदान करें। उनमें संज्ञा के संबंध में उत्सुकता जागृत करें।	• छात्रों को वाक्य के दोनों भेदों के बारे में बताएँ कि वाक्य में जिसके बारे में बात कही जाए, उसे उद्देश्य कहते हैं और उद्देश्य के विषय में जो कुछ भी कहा जाए, उसे विधेय कहते हैं। जैसे–रवि साइकिल चला रहा है। उददेश्य विधेय • वाक्य बनाते समय दो बातों का ध्यान अवश्य रखना चाहिए। पहली बात, किसी व्यक्ति या वस्तु का होना। दूसरी बात, इनके द्वारा किए जा रहे अथवा किए गए काम के बारे में कुछ बताया जाना। • उन्हें बताएँ कि सार्थक वाक्य उन्हीं वाक्यों को कहा जाता है जिससे अर्थ पूरी तरह स्पष्ट हो जाएँ। उन्हें समझाएँ कि अगर वाक्य निर्माण में एक शब्द भी गलत या इधर-उधर लिखा जाता है तो वाक्य सार्थक नहीं रह जाता।

	• छात्रों को अपने दैनिक जीवन पर दस वाक्य लिखकर लाने को कहें। फिर उसमें से उद्देश्य और विधेय को बताएँ। • जिस तरह उद्देश्य से वाक्य पूर्ण होता है। उसी तरह हवा, नदी, सूर्य आदि का भी उद्देश्य सभी जीवों का कल्याण करना है। छात्रों को बताएँ कि हमें भी जीवन का ऐसा उद्देश्य बनाना चाहिए, जो दूसरों के हित में हो।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समयः पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो कुछ सीखा है, उसकी संक्षिप्त में चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. शब्दों का क्रम ठीक करके वाक्य बनाइए।

क. क. खाना है वह खाती।

....

ख. केले हाथी है खा रहा।

....

ग. पढ़ती रात मैं भर रही।

....

घ. लंबी गर्दन है होती मोर की।

....

ङ. एक बंदर था पाला हुआ उसने।

....

च. उसकी चूड़ियाँ लाल की रंग हैं।

....

2. दिए गए वाक्यों में से उद्देश्य एवं विधेय अलग-अलग करके लिखिए।

		उद्देश्य	विधेय
क.	राधिका अपने विद्यालय चली गई।	....	....
ख.	गांधी जी सत्य और अहिंसा पर बल देते थे।	....	....
ग.	तेंदुआ तेज़ दौड़ता है।	....	....
घ.	सुरेश अच्छा लड़का है।	....	....

3. कोष्ठक में दिए गए उचित उद्देश्य का प्रयोग करते हुए रिक्त स्थान भरिए।

कुर्सी सविता लालकिला फरवरी

क. .... हमारा राष्ट्रीय पक्षी है। (मोरनी/मोर)

ख. .... खाना पकाती हैं। (माता जी/पिता जी)

ग. .... ने ताजमहल बनवाया था। (नूरजहाँ/शाहजहाँ)

घ. .... फूलों से रस चूसती है। (बिल्ली/तितली)

ङ. .... बलशाली जानवर है। (हाथी/कुत्ता)

च. .... बहुत बात करती है। (रमेश/राधिका)

छ. .... बाजार जाते हैं। (पिताजी/बच्चा)

ज. .... का बहाव बहुत तेज है। (तालाब/नदी)

झ. .... भौंक रहा था। (बिल्ली/कुत्ता)

4. दिए गए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

क. आश्चर्य – ....

ख. बुद्धिमान – ....

ग. दुश्मन – ....

घ. पृथ्वी – ....

ङ. बादल – ....

संज्ञा

पाठ योजना: 5

आज की अवधारणा

छात्रों को संज्ञा के बारे में बताना, संज्ञा के सभी भेदों से अवगत करना। उदाहरण सहित संज्ञा के तीनों भेदों को समझाने के बाद व्यक्तिवाचक, जातिवाचक तथा भाववाचक संज्ञा में अंतर स्पष्ट कराना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

विद्यार्थी अपने जीवन में कई तरीकों के नामों से परिचित हैं जैसे–व्यक्तियों के नाम, पशु-पक्षियों के नाम, मिठाइयों, स्थानों, वस्तुओं तथा भावों के नाम। ये सभी नाम ही संज्ञा हैं।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में संज्ञा संबंधी शब्दों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- संज्ञा के बारे में जानने और विचार करने में,
- अलग-अलग नामों को ध्यान से सुनकर उसका भेद बताने में,
- ये जानने में की संज्ञा के कौन-से भेद को हम केवल महसूस कर सकते हैं?

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को संज्ञा का अर्थ व उसकी परिभाषा बताना।
- संज्ञा के तीनों भेदों को उदाहरण सहित समझाना।
- व्यक्तिवाचक, जातिवाचक व भाववाचक संज्ञा के बीच अंतर स्पष्ट करना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों की कल्पनात्मकता को उन्मुक्त करते हुए उन्हें अपने आस-पास के वातावरण से संज्ञा शब्दों की पहचान करने के लिए अभिप्रेरित करें।

गतिविधियाँ

नाम बनाने में समय लगता है। लोगों के नाम उनके काम से ही याद किए जाते हैं। यदि आपसे किसी ऐसे व्यक्ति का नाम पूछा जाए जिससे आप प्रेरणा प्राप्त करते हो तो आप किसका नाम लोगे और क्यों? बताइए

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध संज्ञा संबंधी पुस्तकें।

- कक्षा में संज्ञा व उसके भेदों की जानकारी देने वाले चार्ट पेपर।
- यूट्यूब पर संज्ञा संबंधी वीडियो क्लिप्स।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य / आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय - पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि किसी भी व्यक्ति (प्राणी), वस्तु, स्थान तथा भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य : छात्रों को संज्ञा के बारे में बताना तथा उसके भेदों को जानने संबंधी उत्सुकता पैदा करना।	• छात्रों को बताएँ संज्ञा के अंतर्गत तीन भेद आते हैं—व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा तथा भाववाचक संज्ञा। • उन्हें चित्रों की सहायता से संज्ञा शब्दों की पहचान करवाएँ ताकि वह समझ सकें कि कौन-सा संज्ञा शब्द किस भेद का होता है। • श्यामपट्ट पर एक अनुच्छेद उतारकर छात्रों को उसमें से सभी भेदों से संबंधित संज्ञा शब्द ढूँढकर अपनी कार्य-पुस्तिका में लिखने को कहें। • उन्हें समझा दें कि व्यक्तिवाचक संज्ञा एक नाम विशेष का बोध करवाती हैं किंतु जातिवाचक संज्ञा संपूर्ण जाति का बोध कराती है। • अध्यापक छात्रों से अलग-अलग स्थितियों पर चर्चा करें और पूछें कि इस स्थिति में उनके मन में क्या और कैसे भाव आते हैं। जैसे—कोई वस्तु खो जाने पर, अंधेरे कमरे में अकेले होने पर, कक्षा में प्रथम आने पर तथा किसी विवाह में जाने की खबर सुनने पर। • छात्रों को अलग-अलग समूहों में बैठाकर एक समूह से व्यक्तिवाचक, दूसरे समूह से जातिवाचक तथा तीसरे समूह से भाववाचक संज्ञा शब्द बोलने को भी कहा जा सकता है।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो कुछ सीखा है, उसकी संक्षिप्त में चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

क. संज्ञा की परिभाषा उदाहरण सहित दीजिए।

....

....

....

ख. जातिवाचक संज्ञा किसे कहते हैं? उदाहरण सहित बताइए।

....

....

....

ग. व्यक्तिवाचक संज्ञा को उदाहरण सहित परिभाषित कीजिए।

....

....

....

घ. भाववाचक संज्ञा से किनका बोध होता है?

....

....

....

2. खाली स्थान पर संज्ञा शब्द भरिए।

क. आज बहुत .... है।

ख. .... फलों का राजा है।

ग. मेहनत करने से .... अवश्य मिलती है।

घ. श्रेया घोषाल की आवाज़ में अत्यधिक .... है।

ङ. अध्यापिका .... को चिड़ियाघर ले गई।

3. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए।

क. बच्चा – .... ख. खट्टा – ....

ग. कड़वा – .... घ. सजाना – ....

घ. थकना – ....

लिंग पाठ योजनाः 6

आज की अवधारणा

छात्रों को 'लिंग' शब्द समझाना। लिंग की परिभाषा से अवगत कराना, लिंग के भेदों को स्पष्ट करके पुल्लिंग व स्त्रीलिंग में अंतर स्पष्ट करना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

विद्यार्थी जानते हैं कि संज्ञा 'नाम' है। इसकी व्यक्तिवाचक संज्ञा से विशेष नाम, जातिवाचक संज्ञा से संपूर्ण जाति तथा भाववाचक संज्ञा से भाव, गुण, दशा, दोष और अवस्था आदि का बोध होता है।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में लिंग संबंधी नियमों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- 'लिंग' शब्द के बारे में जानने और विचार करने में,
- अलग-अलग शब्दों को ध्यान से सुनकर उसका भेद बताने में,
- कौन-कौन से शब्द सदैव स्त्रीलिंग व सदैव पुल्लिंग होते हैं? यह जानने में।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- लिंग के प्रयोगों व रूपों का ज्ञान करवाना।
- पुल्लिंग व स्त्रीलिंग की पहचान बताना।
- भाषा में 'लिंग' शब्दों की महत्ता से अवगत कराना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों की कल्पना को उन्मुक्त करते हुए उन्हें पुल्लिंग व स्त्रीलिंग शब्दों की पहचान करने के लिए प्रेरित करें।

गतिविधियाँ

विद्यालय में प्रवेश करने से लेकर अपनी कक्षा तक जाते समय चारों ओर देखते जाइए और पहचानिए कि कौन-सी वस्तु स्त्रीलिंग है और कौन-सी पुल्लिंग।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध लिंग संबंधी पुस्तकें।
- यूट्यूब पर पुल्लिंग व स्त्रीलिंग पहचान संबंधी वीडियो क्लिप्स।
- कक्षा में लिंग की जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य / आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय - पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि संज्ञा शब्द के जिस रूप से उसके स्त्री या पुरुष जाति के होने का बोध होता है, उसे लिंग कहते हैं।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य : छात्रों को 'लिंग' शब्द के बारे में बताना तथा उसके भेदों को जानने के लिए उत्सुकता पैदा करना।	• छात्रों को बताएँ कि लिंग के दो भेद होते हैं—पुल्लिंग और स्त्रीलिंग। पुल्लिंग से पुरुष जाति तथा स्त्रीलिंग से स्त्री जाति का बोध होता है। • उन्हें स्पष्ट करें कि हिंदी व्याकरण में पुल्लिंग और स्त्रीलिंग शब्दों का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि इससे वाक्य का भाव स्पष्ट होता है। अत: विद्यार्थियों को लिंग से संबंधित और उदाहरण देकर लिंग को भली-भाँति समझाएँ। • कक्षा में छात्रों के अलग-अलग समूह बनाएँ फिर प्रत्येक समूह में लिंग से संबंधित चार्ट पेपर या पुस्तक दिखाएँ ताकि छात्र लिंग से अच्छे से परिचित हो सकें। • कुछ शब्द स्त्री व पुरुष दोनों के लिए समान रूप से प्रयोग में लाए जाते हैं जैसे—डॉक्टर, प्रधानमंत्री, मंत्री, प्रोफेसर, इंजीनियर आदि। • छात्रों को बताएँ कि नदियों, बोलियों, भाषाओं, लिपियों तथा तिथियों के नाम प्राय: स्त्रीलिंग होते हैं। • वहीं पहाड़ो, महीनों, दिनों, वृक्षों, ग्रहों, अनाजों, सागर और द्वीपों के नाम प्राय: पुल्लिंग होते हैं। • श्यामपट्ट पर एक वर्ग पहेली बनाकर उसमें पुल्लिंग व स्त्रीलिंग शब्द लिखें तथा छात्रों को उसे अपनी कार्य-पुस्तिका में उतारकर पुल्लिंग व स्त्रीलिंग का चुनाव करके पुल्लिंग शब्द के आगे उसका सही स्त्रीलिंग लिखकर लाने को कहें।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो कुछ सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. रेखांकित शब्दों के लिंग बदलकर वाक्यों को दोबारा लिखिए।

क. मामा जी दिल्ली दर्शन के लिए आए हैं।

....

ख. घोड़ा तेज़ दौड़ रहा है।

....

ग. ससुर जी अखबार पढ़ रहे हैं।

....

घ. अध्यापिका विद्यालय में पढ़ा रही हैं।

....

ङ. राखी ने बाज़ार से एक गुड़िया खरीदी।

....

2. सही शब्द पर (✓) का चिह्न लगाएँ।

क. लिंग के कितने भेद होते हैं?

(अ) चार (ब) सात (स) दो

ख. जिन संज्ञा शब्दों से उनके पुरुष जाति के होने का बोध हो, उन शब्दों को क्या कहते हैं?

(अ) अन्य लिंग (ब) पुल्लिंग (स) स्त्रीलिंग

ग. वे शब्द जो स्त्री जाति का बोध कराते हैं, क्या कहलाते हैं?

(अ) स्त्रीलिंग (ब) पुल्लिंग (स) अन्य लिंग

घ. 'हिमालय' शब्द में कौन-सा लिंग है?

(अ) स्त्रीलिंग (ब) पुल्लिंग (स) अन्य लिंग

3. स्त्रीलिंग को पुल्लिंग से मिलाइए।

औरत

बाघिन

वधू

ऊँटनी

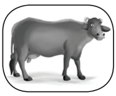

भैंस

भैंसा

वर

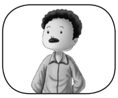

आदमी

बाघ

ऊँट

वचन पाठ योजनाः 7

आज की अवधारणा

छात्रों को वचन के बारे में बताना। वचन की परिभाषा से छात्रों को अवगत कराना। वचन के भेदों को स्पष्ट करना तथा एकवचन व बहुवचन में अंतर स्पष्ट करना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

विद्यार्थी जानते हैं कि सभी संज्ञा शब्द (प्राणी, वस्तु, स्थान या भाव) स्त्री या पुरुष जाति के होते हैं। पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्दों को पुल्लिंग तथा स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्दों को स्त्रीलिंग कहते हैं।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में वचन संबंधी नियमों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- 'वचन' शब्द के बारे में सोचने और विचार करने में,
- अलग-अलग शब्दों के उच्चारण को ध्यानपूर्वक सुनकर उसका भेद पहचानने में,
- आदर देने के लिए कौन-से वचन का प्रयोग किया जाता है? यह जानने में,

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को दैनिक जीवन में 'वचन' शब्द की महत्ता बताना।
- एकवचन तथा बहुवचन शब्दों का प्रयोग व उपयोगिता समझाना।
- एकवचन से बहुवचन बनाने के नियमों से अवगत कराना।
- छात्रों को यह बताना कि वचन बदलने पर संज्ञा तथा क्रिया का रूप भी बदल जाता है।

लक्ष्य कौशल

व्याकरण में वचन शब्द संख्या बताता है। छात्रों की कल्पना को उन्मुक्त हुए उन्हें सोचकर बताने के लिए प्रेरित कीजिए कि वचन का शाब्दिक अर्थ क्या होता है।

गतिविधियाँ

- इस शब्द-जाल में लिखे शब्दों में से एकवचन व बहुवचन शब्द छाँटकर अलग-अलग लिखिए–

माला	पत्ते	वधू	भेड़ें	रातें
गायें	सड़क	बातें	बेटे	पुस्तकें

कथा	कुरसी	वस्तु	बिल्लियाँ	पत्ता
कौए	कहानी	भाषा	बूँद	तिनका
रुपया	घड़ियाँ	चिट्ठियाँ	बगीचा	चूहा

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध वचन संबंधी पुस्तकें।
- कक्षा में वचन तथा उसके भेदों की जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।
- यूट्यूब पर एकवचन व बहुवचन परिवर्तन नियम संबंधी वीडियो क्लिप्स।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य / आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय- पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि शब्द के जिस रूप से संज्ञा के एक या अनेक होने का बोध हो, उसे वचन कहते हैं।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्यः छात्रों को वचन के बारे में बताना तथा उसके एकवचन से बहुवचन परिवर्तित संबंधी विधियों को जानने के लिए उत्सुकता पैदा करना।	• छात्रों को बताएँ की वचन के दो भेद होते हैं। शब्द के जिस रूप से एक प्राणी, वस्तु अथवा स्थान का बोध होता है, उसे एकवचन कहते हैं जैसे—दरवाज़ा, परदा आदि। • शब्द के जिस रूप से एक से अधिक प्राणियों, वस्तुओं अथवा स्थानों का बोध, उसे बहुवचन कहते हैं जैसे—दरवाज़े, परदे आदि। • छात्रों को अधिक से अधिक उदाहरणों द्वारा वचन परिवर्तन की विधियों से अवगत कराएँ। • उनसे प्रश्न करें कि आपको रात में चाँद और तारे दिखाई देते हैं। अब वह बताएँ कि चाँद और तारे में कौन-सा वचन है? • उन्हें एकवचन व बहुवचन संप्रत्यय को और अधिक स्पष्ट करने के लिए फ्लैश कार्ड्स के चित्र दिखाकर अंतर करवाएँ। • छात्रों को स्पष्ट करें कि कुछ संज्ञा शब्द एकवचन तथा बहुवचन में एक समान प्रयोग किए जाते हैं जैसे—मनुष्य, पक्षी, भाई, बालक, विद्यार्थी आदि। • उन्हें बताएँ कि आदर देने के लिए एकवचन के स्थान पर बहुवचन का प्रयोग किया जाता है तथा वचन बदलने पर संज्ञा और क्रिया का रूप भी बदल जाता है।

पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो कुछ सीखा है, उसकी संक्षिप्त में चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए-

क. वचन की परिभाषा उदाहरण सहित दीजिए।

....

....

ख. वचन के दो भेद कौन-से हैं?

....

....

ग. एकवचन में संज्ञा के कौन-कौन से भेदों के शब्दों का प्रयोग किया जाता है?

....

....

घ. बहुवचन किसे कहते हैं? उदाहरण सहित बताइए।

....

....

2. दिए गए वाक्यों में शुद्ध वाक्य पर सही (✓) का निशान लगाइए।

क. चिड़ियाँ पेड़ पर बैठी है। ☐

चिड़िया पेड़ पर बैठी हैं। ☐

चिड़ियाँ पेड़ पर बैठी हैं। ☐

ख. नदी अपने उफान पर हैं। ☐

नदी अपने उफान पर है। ☐

नदियाँ अपने उफान पर है। ☐

ग. मेरे घर के सामने सड़कें है। ☐

मेरे घर के सामने सड़क है। ☐

मेरे घर के सामने सड़क हैं। ☐

3. उचित बहुवचन रूप पर (✓) का निशान लगाइए।

क. गुड़िया – गुड़ियों ☐ गुड़ियाँ ☐

ख.	माला –	मालाएँ	☐	माले	☐
ग.	लकड़ी –	लकड़ियाँ	☐	लकड़िया	☐
घ.	कक्षा –	कक्ष	☐	कक्षाएँ	☐
ङ.	डाली –	डालि	☐	डालियाँ	☐

4. रिक्त स्थान में कोष्ठक से चुनकर उचित शब्द लिखिए।

क. पेड़ से .... गिर रहे हैं। (पत्ता/पत्ते)

ख. कल से सर्दियों की .... प्रारंभ होने जा रही हैं। (छुट्टियाँ/छुट्टी)

ग. .... चहक रही है। (चिड़िया/चिड़ियाँ)

घ. .... ने सारा दूध पी लिया। (बिल्लियाँ/बिल्ली)

ङ. स्नेहा ने मुझे .... खाने को दी। (मिठाई/मिठाईयाँ)

च. .... ने मिलकर क्रिकेट खेला। (लड़के/लड़कों)

5. निम्नलिखित शब्दों में 'ए' तथा 'एँ' की मात्रा लगाकर बहुवचन रूप बनाइए।

क. चाल – ________ ख. मेला – ________

ग. बाला – ________ घ. चाल – ________

ङ. पाठशाला – ________ च. बच्चा – ________

सर्वनाम पाठ योजनाः 4

आज की अवधारणा

छात्रों को भाषा व उसके रूपों, हिंदी की अन्य भाषाओं के बारे में बताना, लिपि व बोली का अंतर समझना, राजभाषा के रूप में हिंदी की उपयोगिता बताना। मातृभाषा एवं व्याकरण की महत्ता से परिचित कराना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

छात्र मातृभाषा का प्रयोग अपने दैनिक व्यवहार में करते आ रहे हैं। वे जानते हैं कि हिंदी की लिपि देवनागरी है तथा भाषा के मौखिक व लिखित रूपों का प्रयोग करते हैं।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में भाषा एवं व्याकरण संबंधी नियमों के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- भाषा के रूपों (मौखिक व लिखित) संबंधी माध्यमों को जानने में।
- विभिन्न राज्यों में कौन-कौन सी भाषाओं का प्रयोग किया जाता है?
- विभिन्न भाषाओं की लिपियों को समझने में।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को राजभाषा के रूप में हिंदी की महत्ता से अवगत कराना।
- व्याकरण के माध्यम से शुद्ध वर्तनी का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करना।
- विभिन्न प्रकार की भाषाओं तथा उनकी लिपियों के प्रति रुझान उत्पन्न करना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों के भीतर भाषा के रूपों के साधनों तथा विभिन्न देशों की भाषाओं एवं उनकी लिपियों को जानने के प्रति कौतूहल उत्पन्न करना।

गतिविधियाँ

छात्रों के साथ लिखित एवं मौखिक रूप के विभिन्न साधनों को लेकर प्रश्नोत्तरी खेलना अथवा भारत देश में किस राज्य में कौन-सी भाषा बोली जाती है इस संदर्भ में छात्रों की दो टीम बनाकर खेल खेलना।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में व्याकरण संबंधी प्राथमिक कक्षाओं की पुस्तकें।

- यूट्यूब पर विश्व की भाषाओं एवं उनकी लिपियों से संबंधित वीडियों क्लिप्स।
- भारत एवं उसके राज्यों में बोली जाने वाली भाषाओं का चार्ट पेपर।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय : पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि सर्वनाम का अर्थ है– सबके लिए नाम। नाम या संज्ञा शब्दों का बार-बार प्रयोग न करना पड़े और भाषा सुंदर लगे, इसलिए सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किया जाता है।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य : छात्रों को सर्वनाम के बारे में बताना। उनमें उसके भेदों को जानने के प्रति उत्सुकता जागृत करना।	• छात्रों को बताएँ की हिंदी भाषा में सर्वनाम के छह भेद होते हैं–पुरुषवाचक, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक, प्रश्नवाचक, संबंधवाचक तथा निजवाचक। • जो सर्वनाम शब्द बोलने वाले, सुनने वाले और अन्य व्यक्यिों के लिए प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहते है जैसे– बोलने वाले के लिए (मैं, हम, मेरा, हमारा आदि।), सुनने वाले के लिए (तू, तुम, तेरा, तुम्हारा आदि।), अन्य के लिए (वह, वे उसने, उसे आदि।) • अब छात्रों को निश्चयवचक और अनिश्चयवाचक सर्वनाम के बीच अंतर स्पष्ट करके बताएँ कि जिन सर्वनाम शब्दों से किसी पास या दूर की वस्तु अथवा व्यक्ति का निश्चयपूर्वक बोध हो, वे निश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। जैसे– यह, वह, ये, वे आदि। • वहीं जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु के बारे में पता नहीं चले, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते है जैसे– कोई, कुछ, किसी, किन्हीं आदि। • उन्हें उदाहरण सहित ये भेद स्पष्ट करने के बाद बताएँ कि जो सर्वनाम शब्द प्रश्न पूछने के लिए प्रयोग किए जाते हैं, वे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहलाते है जैसे– कौन, क्या, किसे, कैसे, किसने आदि।

	• अंत में संबंधवाचक और निजवाचक सर्वनाम को स्पष्ट करें कि दो वाक्य खंडो को जोड़ने वाले सर्वनाम शब्द, जिनका आपस में संबंध हो, वे संबंधवाचक सर्वनाम कहलाते है जैसे– जो-सो, जिसकी-उसकी, जिसे उसे आदि। वही जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग कर्ता अपने लिए करे, वे निजवाचक सर्वनाम कहलाते है जैसे– खुद, स्वयं, अपने–आप आदि। • छात्रों को कोई अनुच्छेद या गद्यांश देकर उसमें से सर्वनाम शब्दों को रेखांकित कीजिए तथा उन शब्दों के आगे उनका भेद लिखिए। • उनसे कहें कि वह अपने आस–पास किसी ऐसे मित्र या व्यक्ति से बात करें, जिसे हिंदी ठीक से नहीं आती हो। उससे वह हिंदी में बात करें और देखें कि उसने किन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किया है?
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

क. सर्वनाम किसे कहते हैं? उदाहरण सहित बताइए।

....

....

....

ख. निश्चयवाचक सर्वनाम तथा अनिश्चयवाचक सर्वनाम में अंतर बताइए।

....

....

....

ग. सर्वनाम के कितने भेद हैं? सभी भेदों की परिभाषा उदाहरण सहित दीजिए।

....

....

....

....

2. सर्वनाम के उचित रूपों से रिक्त स्थान भरिए।

क. एक चोर था। .... सबकी आँखों में धूल झोंककर निकल जाता था।

ख. चाचा जी के साथ .... बेटी भी दिल्ली घूमने आ रही थी।

ग. मैंने ज्योति से पूछा, कि ज्योति .... क्या राय है?

घ. .... मेरा घर है।

ङ. जो .... बोता है .... काटता भी है।

3. सर्वनाम शब्दों को सर्वनाम के भेदों से सुमेलित कीजिए।

सर्वनाम शब्द	**सर्वनाम के भेद**
आपका	निजवाचक
कहीं	प्रश्नवाचक
जिसको	अनिश्चयवाचक
यह	पुरुषवाचक
स्वयं	संबंधवाचक
कौन	निश्चयवाचक

4. रेखांकित शब्दों में सर्वनाम का कौन-सा भेद है? बताइए।

क. राजेश ने <u>अपनी</u> माताजी के चरण स्पर्श किए। ____________

ख. <u>तुम्हारा</u> नाम क्या है? ____________

ग. <u>जिसने</u> समुद्र में डुबकी लगाई, वही मोती पाएगा। ____________

घ. ऋचा अपना कार्य <u>खुद</u> करती है। ____________

ङ. अरे ! <u>कुछ</u> तो बोलो। ____________

विशेषण पाठ योजनाः 9

आज की अवधारणा

छात्रों को विशेषता तथा विशेष्य के बारे में बताना, उनकी परिभाषा समझाकर उसके भेदों से अवगत कराना। सभी विशेषण के भेदों को उदाहरण सहित स्पष्ट करना तथा आपसी वार्तालाप द्वारा विशेषण शब्दों पर चर्चा करना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

छात्र सर्वनाम शब्दों व उसके भेदों से परिचित हैं। वे पुरुषवाचक सर्वनाम, निश्चयवाचक और अनिश्चयवाचक सर्वनाम, प्रश्नवाचक सर्वनाम, संबंधवाचक तथा निजवाचक सर्वनाम की परिभाषा उदाहरण सहित जानते हैं।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में विशेषण शब्दों तथा उसक भेदों को जानने के प्रति रूचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- विशेषण शब्दों के बारे में सोचने और विचार करने में,
- वाक्य में प्रयुक्त विशेषण शब्दों को ध्यानपूर्वक सुनकर उसका भेद पहचानने में
- सभी भेदों की परिभाषा जानकर उसके बीच अंतर स्पष्ट करने में,

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को वाक्य में विशेषण शब्दों की महत्ता बताना।
- विशेषण के भेदों की अलग-अलग उपयोगिता को समझाना।
- अलग-अलग शब्द बोलकर छात्रों को उन्हें उससे संबंधित भेद बताने के लिए प्रोत्साहित करना।
- छात्रों की बताना कि जिन संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताई जाती है, उन्हें विशेष्य कहते हैं।

लक्ष्य कौशल

छात्रों में विशेषण शब्दों की रचना के प्रति कौतूहल उत्पन्न करके इस दिशा में उनकी कल्पना को पंख देना।

गतिविधियाँ

कक्षा में सारे बच्चे गोल दायरा बनाकर बैठ जाएँगी और तालियाँ बजाएँगी। पहला बच्चा 'क' वर्ण से शुरू करते हुए घोड़े की विशेषता बताएगा– 'मुझे मिला एक काला कुत्ता'। इसी वाक्य को आगे बढ़ाते हुए अन्य बच्चे ख, ग आदि व्यंजन से बने विशेषण का प्रयोग 'काला' के स्थान पर करते जाएँगे, जिससे कुत्ते की विशेषता बदलती जाएगी; जैसे–

1. मुझे मिला एक काला कुत्ता।
2. मुझे मिला एक खूबसूरत कुत्ता।
3. मुझे मिला एक गंदा कुत्ता।
4. मुझे मिला एक घरेलू कुत्ता।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध विशेषण संबंधी पुस्तकें।
- यूट्यूब पर विशेषण व विशेष्य संबंधी वीडियों क्लिप्स।
- कक्षा में विशेषण व उसके भेदों की जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय : पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरूआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि संज्ञा या सर्वनाम के गुण या विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहते हैं। वहीं जिन संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताई जाती है, उन्हें विशेषण कहते हैं।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य : छात्रों को विशेषण के बारे में बताना। उनमें विशेषण के भेदों को जानने के प्रति।	• छात्रों को बताएँ कि विशेषण के चार भेद होते हैं– गुणवाचक विशेषण, संख्यावाचक विशेषण, परिणामवाचक विशेषण, सार्वनामिक विशेषण। • गुणवाचक विशेषण में संज्ञा या सर्वनाम शब्दों के गुण, दोष, आकार, रंग-रूप, अवस्था आदि का पता चलता है जैसे– सुंदर, हरा, काला, ऊँचा, आलसी, गोल, बहादुर आदि। • जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की संख्या आदि बताते हैं, उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते हैं जैसे– एक, दो, चार, कुछ, कई आदि। • संख्यावाचक विशेषण स्पष्ट करने के बाद छात्रों को बताएँ परणिाम का अर्थ माप-तौल होता है। जो शब्द किसी वस्तु के परिणाम (माप-तौल) आदि का बोध कराते हैं, उसे परिण ाामवाचक विशेषण कहते हैं जैसे– एक किलो, दो मीटर, कुछ फूल आदि। • इस भेद को स्पष्ट करने के बाद सार्वनामिक विशेषण के बारे में जानें कि इससे हमें संज्ञा शब्दों की विशेषता का पता चलता है जैसे– <u>यह</u> आदमी, <u>वह</u> खिलौना, <u>वे</u> पंखे आदि। • छात्रों को अलग-अलग संज्ञा शब्द देकर विशेषण सिखाएँ तथा वाक्य प्रयोग करने को कहें। • उन्हें बताएँ कि संज्ञा शब्दों ने प्रत्यय लगाकर विशेषण शब्द बनाए जाते हैं।

	• छात्रों को संज्ञा शब्दों से बने विशेषण शब्दों दें तथा उनसे उक्त शब्द में से संज्ञा शब्द निकाल कर अलग करके लिखने को कहें।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएँ

क. विशेषण की परिभाषा उदाहरण सहित दीजिए।

....

....

ख. विशेषण तथा विशेष्य में अंतर कीजिए।

....

....

ग. गुणवाचक विशेषण किसे कहते हैं? उदाहरण सहित बताइए।

....

....

घ. सार्वनामिक विशेषण किसे कहते हैं?

....

....

2. दिए गए विशेषण शब्दों से खाली स्थान भरिए।

काले   यह   छोटा   ठंडा   तीन

क. मुझे पानी चाहिए।

ख. आसमान में बादल छाए हैं।

ग. हम सहेलियाँ मिलकर खेलेंगी।

घ. चूहा दिखने में होता है।

ङ. घर मेरा है।

3. दिए गए वाक्यों में से विशेषण और विशेष्य छाँटकर लिखिए।

	विशेषण	विशेष्य
क. रीना ने लाल फ्रॉक पहनी है।	____________	____________
ख. मेरे पास तीन पेन हैं।	____________	____________
ग. दो किलो चावल ले आओ।	____________	____________
घ. वह लड़का मूर्ख है।	____________	____________
ङ. लाल टमाटर खरीदकर ले आओ।	____________	____________

क्रिया पाठ योजना: 10

आज की अवधारणा

छात्रों को क्रिया के बारे में बताना। उसकी परिभाषा से अवगत कराकर भेदों के नाम बताना। क्रिया के भेदों को उदाहरण सहित स्पष्ट करके समझाना। आपसी संवाद द्वारा क्रिया शब्दों पर चर्चा करना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

विद्यार्थी जानते हैं कि विशेषण शब्द से संज्ञा या सर्वनाम शब्द के गुण या उसकी विशषता का पता चलता है। इसके चार भेद हैं गुणवाचक विशेषण से गुण, दोष, आकार आदि, संख्यावाचक विशेषण से संख्या या गिनती, परिणामवाचक विशेषण से माप-तौल तथा सार्वनामिक विशेषण से संज्ञा की विशेषता का बोध होता है।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में क्रिया शब्दों को पहचानने के प्रति रूचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- क्रिया शब्दों के बारे में सोचने और विचार करने में,
- वाक्य में प्रयुक्त क्रिया शब्द को पहचानकर बताने में,
- क्रिया के भेदों की परिभाषा पढ़कर उसके उदाहरण बनाने में,

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को दैनिक जीवन में क्रिया शब्दों की उपयोगिता बताना।
- सकर्मक व अकर्मक क्रिया के बीच में बताकर, उसमें 'ना' प्रत्यय जोड़कर अधिक से अधिक शब्द बनाने को कहना।
- अकर्मक व सकर्मक क्रिया की पहचान के बारे में बताना।

लक्ष्य कौशल

जिस प्रकार हवा का कार्य बहना है और सूर्य का कार्य रोशनी देना है। उसी प्रकार वाक्य को पूरा करना क्रिया का काम है। क्रिया के बिना वाक्य पूरा नहीं होता। कुछ क्रियाएँ हम करते हैं तथा कुछ क्रियाएँ स्वयं होती हैं। छात्रों में करने वाली स्वयं होने वाली क्रियाओं को जानने के प्रति कौतुहल उत्पन्न करके इस दिशा में उनकी कल्पना को पंख देते हुए उन्हें उन क्रियाओं को जानने के लिए प्रेरित करना।

गतिविधियाँ

अध्यापक कक्षा में कुछ विशेष क्रियाओं के नाम की परचियां तैयार करे जैसे– हँसो, बैठो, गाओ, नाचो, रोना, चिल्लाना, खाना, पीना, सोना आदि। फिर इन सभी आपस में मिला दें और प्रत्येक छात्र से एक-एक परची उठाने को कहें। एक-एक छात्र आगे आएगा और परची में लिखी क्रिया को अभिनय के माध्यम से करेगा। अभिनय द्वारा दर्शाई गई क्रिया को बाकी बच्चे पहचानेंगे और सबसे पहले सही क्रिया बताने वाला बच्चा विजयी होगा।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में क्रिया संबंधी व्याकरण की पुस्तकें।
- यूट्यूब पर शुद्ध उच्चारण संबंधी वीडियो क्लिप्स।
- कक्षा में क्रिया व उसके भेदों संबंधी जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय : पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरूआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगाी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के जिए उन्हें बताएँ कि जिन शब्दों से किसी काम का करना या होगा पाया जाता है, उन्हें क्रिया कहते हैं। वाक्य में क्रिया का होना अति आवश्यक है। इसके साथ होने से वाकय पूरे भी होते हैं और स्पष्ट भी।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य : छात्रों को क्रिया के संबंध में बताना। उनमें क्रिया शब्दों को जानने के प्रति उत्सुकता जागृत करना।	• छात्रों को बताएँ कि क्रिया के दो भेद होते हैं। जिस क्रिया के साथ कर्म की आवश्यकता होती है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं तथा जिस क्रिया में कर्म की जरूरत नहीं होती, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं। • अकर्मक और सकर्मक क्रिया उदाहरण सहित स्पष्ट करने के बाद छात्रों को करने वाली तथा स्वयं होने वाली क्रियाओं से अवगत कराएँ। • उन्हें वचन व लिंग के कारण बदलते क्रिया के रूपों को भी उदाहरण सहित स्पष्ट रूप से समझाएँ। • छात्रों को बताकर की काम करने वाले को कर्त्ता तथा कर्त्ता के काम का फल जिस पर पड़े, उसे कर्म कहते हैं।

	• उन्हें कुछ अलग-अलग वाक्य लिखवाकर उनमें से कर्ता, कर्म व क्रिया अलग-अलग करके लिखने को कहें। • छात्रों से अपने आस-पास, कक्षा, घर तथा किसी उत्सव या समारोह में की जाने वाली क्रियाओं के बारे में पूछें। • इस बात से भी विद्यार्थियों को अवगत कराएँ कि क्रियाँ विकारी शब्द है, जिसके रूप लिंग वचन और पुरुष के अनुसार बदलते हैं। वहीं कुछ क्रियाएँ व सकर्मक दोनों होती हैं।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

क. क्रिया किसे कहते हैं? उदाहरण सहित बताइए।

....

....

ख. अकर्मक क्रिया किसे कहते हैं? उदाहरण सहित समझाइए।

....

....

ग. किस प्रकार की क्रिया में 'क्या' प्रश्न का उत्तर नहीं मिलता?

....

....

घ. अकर्मक क्रिया किसे कहते हैं?

....

....

ङ. धातु का मूल रूप क्या कहलाता है?

....

....

2. कोष्ठक में दिए गए क्रिया शब्दों का सही रूप लिखकर खाली स्थान भरिए।

क. कनिका को कक्षा में प्रथम आने पर पुरस्कार ....। (मिलना)

ख. रतिका .... रही है। (हिलना)

ग. राहुल ने हलवा ....। (खाना)

घ. मोची ने जूता ....। (बनाना)

ङ. गरिमा पार्क में घूमने ....। (जाना)

च. हवा .... रही है। (बहना)

3. संख्या के नामों का मिलान अंकों से कीजिए:-

क. पौधों पर फूल लगे हैं। ______________

ख. गेंदबाज गेंद फेंक रहा है। ______________

ग. रीता नाचती है। ______________

घ. सोहन हँसता है। ______________

ङ. कुत्ते भौंकते हैं। ______________

4. निम्नलिखित धातुओं के क्रिया रूप बनाकर वाक्य प्रयोग कीजिए।

	धातु	**क्रिया**	**वाक्य**
क.	उठ	....	....
ख.	धो	....	....
ग.	पढ़	....	....
घ.	बह	....	....
ङ.	लिख	....	....

काल

पाठ योजनाः 11

आज की अवधारणा

छात्रों को 'काल' शब्द के बारे में बताना। काल की परिभाषा से अवगत कराकर उसके भेदों के नाम बताना। उदाहरण सहित काल के तीनों भेदों को स्पष्ट करने के बाद भूतकाल, वर्तमान काल तथा भविष्यत काल में अंतर स्पष्ट करना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

छात्र क्रिया व उसके दोनों भेदों से भली-भाँति परिचित हैं। उन्हें पता है कि सकर्मक क्रिया में कर्म होता है और अकर्मक क्रिया में कर्म की आवश्यकता नहीं होती। क्रिया से ही वाक्य पूर्ण होते हैं तथा भाषा स्पष्ट होती है।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में वचन संबंधी नियमों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- काल के बारे में जानने और विचार करने में,
- अलग-अलग वाक्यों को ध्यानपूर्वक सुनकर उसका भेद बताने में।
- समय कितना महत्वपूर्ण है, हमें इस व्यर्थ क्यों नही गँवाना चाहिए, यह जानने में,

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को काल का अर्थ तथा उसकी परिभाषा समझाना।
- काल के तीनों भेदों को उदाहरण सहित बताना।
- भूतकाल, वर्तमान काल व भविष्यत काल के बीच अंतर स्पष्ट करना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों की कल्पनात्मकता को उन्मुक्त करते हुए उन्हें यह सोचने के लिए प्रेरित करना कि यदि वह सुबह समय पर नहीं उठते हैं तो उनके कौन-कौन से काम समय पर नहीं हो पाएँगे।

गतिविधियाँ

भूतकाल, वर्तमान काल और भविष्यत काल-तीनों कालों को ध्यान में रखते हुए अपने एक दिन के सभी कामों के बारे में लिखिए।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध काल संबंधी पुस्तकें।
- यूट्यूब पर काल के भेदों की पहचान संबंधी वीडियो क्लिप्स।
- कक्षा में काल व उसके भेद संबंधी जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय : पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि काल का अर्थ समय होता है। क्रिया के होने के समय को काल कहते हैं।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य : छात्रों को दिन, माह, वर्ष के संबंध में जानकारी देना। व उनमें उत्सुकता जागृत करना।	• छात्रों को बताएँ कि काल के तीन भेद होते हैं। बीते समय में कार्य का बोध कराने वाली क्रिया को भूतकाल, वर्तमान समय में होने का बोध कराने वाली क्रिया को वर्तमान काल तथा आगे आने वाले समय में कार्य के होने का बोध कराने वाली क्रिया को भविष्यत काल कहते हैं। • उन्हें अलग-अलग उदाहरणों द्वारा काल के भेद स्पष्ट करने के बाद काल के तीनों भेदों से संबंधित वाक्य बनाकर लाने को कहें। • अध्यापक अलग-अलग चित्रों की सहायता से भी छात्रों को काल के भेदों को समझा सकते हैं। • श्यामपट्ट पर कुछ शब्द लिखकर छात्रों को अपनी कार्य-पुस्तिका में उन शब्दों को जोड़कर तीनों कालों से संबंधित वाक्य बनाने के लिए प्रोत्साहित करें। • आपसी चर्चा द्वारा कक्षा में किसी भी छात्र से उसकी भूत या भविष्यत काल के कामों के बारे में पूछा जा सकता है कि भविष्य में उनकी क्या योजनाएँ हैं या अबतक उनकी जिंदगी के यादगार पल कौन-से हैं। • उन्हें अलग-अलग वाक्य बोलकर किसी अन्य काल में परिवर्तित करने को भी कहा जा सकता है।

पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय: पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

क. काल के तीन भेदों के नाम बताइए।

....

ख. वर्तमान काल को उदाहरण सहित बताइए।

....

ग. भविष्यत काल किसे कहते हैं? इसके दो उदाहरण भी दीजिए।

....

2. दिए गए वाक्यों को निर्देशानुसार बदलकर लिखिए।

क. राधा पिकनिक पर जाएगी। (भूतकाल)

ख. दादी जी ने पूजा की। (वर्तमान काल)

ग. वंदना गई। (भविष्यत काल)

घ. रेलगाड़ी सात बजे पहुँचेगी। (भूतकाल)

ङ. आज मुझे ऑफिस पहुँचने में देर हो गई। (भविष्यत काल)

3. निम्नलिखित क्रियाओं को काल के अनुसार सही जगह पर लिखिए।

चुग रही है	देखने गया	खाएगा	गरज रहे हैं
बनाएँगे	खरीद लूँगा	बुलाएगा	गाना गाया
घर गया	जीत गया	नाचेगी घूमने	जाएँगे
बुलाएँगे	खरीदा	देखेंगे	

भूतकाल	**वर्तमान काल**	**भविष्यत काल**
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

4. वाक्य के हिस्सों को सुमेलित कीजिए।

क.	सड़क पर वाहन	खेलेंगे।
ख.	लड़कियाँ घूमने	हुआ था।
ग.	नौकरानी सफाई कर	दौड़ रहे थे।
घ.	वह नदी में तैरता	रहा।
ङ.	आज हम विद्यालय में अंताक्षरी	चुकी थी।
च.	चारों ओर अंधेरा छाया	चली गईं।

शब्द-भंडार पाठ योजनाः 12

आज की अवधारणा

छात्रों को पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द तथा अनेकार्थी शब्द के बारे में बताना। उनकी परिभाषा देकर उदाहरण सहित स्पष्ट करना। दैनिक जीवन में उनकी उपयोगिता व महत्ता से अवगत कराना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

छात्र काल की परिभाषा व उसके तीनो भेदों के बारे में जानते हैं। उन्हें पता है कि बीते हुए समय को भूतकाल, चल रहे समय को वर्तमान काल तथा आने वाले समय को भविष्यत काल कहते हैं।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में पर्यायवाची, विलोम, वाक्यांश के लिए एक शब्द तथा अनेकार्थी शब्दों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- पर्यायवाची शब्दों के बारे में सोचने, जानने के बारे में,
- दिए गए शब्दों के विलोम ढूँढने के बारे में,
- वाक्यांश के लिए एक शब्द कौन-सा हो सकता है? यह जानने में।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को पर्यायवाची और विलोम शब्दों की उपयोगिता समझाना।
- वाक्यांश के लिए एक शब्द तथा अनेकार्थी शब्द से परिचित कराना।
- अलग-अलग शब्द या नामों को सुनकर उनके अन्य नाम जानने के लिए उत्सुकता पैदा करना।
- छात्रों को यह बताना कि विलोम का अर्थ उलटा होता है।

लक्ष्य कौशल

हम सभी में कुछ गुण और अवगुण होते हैं। उन गुण-अवगुणों को लिखकर उनके विलोम बताने के लिए छात्रों का प्रेरित करना।

गतिविधियाँ

अध्यापिका की सहायता से अपने किन्हीं चार मित्रों के नाम के दो-दो समानार्थी शब्द लिखिए–

मित्र का नाम	मित्र का नाम	मित्र का नाम	मित्र का नाम
....	....	....	....

एक मित्र	दूसरा मित्र	तिसरा मित्र	चौथा मित्र
....	....	....	....
....	....	....	....

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में पर्यायवाची, विलोम, अनेकार्थी और वाक्यांश के लिए एक शब्द संबंधी पुस्तकें।
- यूट्यूब पर इन विषयों से संबंधित वीडियो क्लिप्स तथा कक्षा में इनकी जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय : पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि आज उन्हें पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द तथा अनेकार्थी शब्द के बारे में जानकारी दी जाएगी।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य: छात्रों को शब्द भंडार के विषयों के बारे में बताना तथा उनके प्रति विस्तारपूर्वक जानने के लिए उत्सुकता जागृत करना।	• छात्रों को पहले पर्यायवाची शब्दों के बारे में बताएँ कि भिन्न-भिन्न नामों के समान अर्थ देने वाले शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहते हैं। • उदाहरण सहित पर्यायवाची शब्द समझाने के बाद उन्हें बताएँ कि इन शब्दों को सही ढंग से लिखने व बोलने के कुछ नियम होते हैं। यदि उन नियमों का पालन नहीं किया जाता है तो पर्यायवाची शब्दों में अस्पष्टता रह जाती है। • अध्यापक छात्रों को बताएँ कि किसी भी वस्तु के पर्यायों का जन्म उसके रूप, गुण, अवस्था आदि को देखकर होता है। • फिर विलोम-शब्द के बारे में जानें कि एक-दूसरे के विपरीत (उलटा) अर्थ देने वाले शब्द विलोम शब्द कहलाते है।

	• बच्चों को आस-पास के उदाहरणों से विलोम शब्द और उनके अर्थ स्पष्ट करें। • उसके बाद जानें कि ऐसे शब्द जो पूरे वाक्यांश या अनेक शब्दों के अर्थ का ज्ञान अकेले ही कराते हैं, वे अनेक शब्दों के लिए या वाक्यांश के लिए एक शब्द कहलाते हैं। • भाषा को सरल एवं प्रभावशाली बनाने के लिए वाक्यांश के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग किया जाता है। • अच्छी रचना के लिए कम से कम शब्दों में विचार प्रकट करना आवश्यक है। • सबसे अंत में अनेकार्थी शब्द के बारे में बताएँ एक से अधिक अर्थों का ज्ञान कराने वाले शब्दों को अनेकार्थी शब्द कहते हैं। • उन्हें बताएँ कि हमारे जीवन में अनेकार्थी शब्दों का व्यवहार होता ही रहता है। • बच्चों को अधिक से अधिक उदाहरणों द्वारा अनेकार्थी शब्द स्पष्ट करके उनके वाचन एवं चिंतन-कौशल में वृद्धि करते हुए उनके आत्मविश्वास को बल प्रदान करें।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय: पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. निम्नलिखित शब्दों के उत्तर दीजिए।

क. अपने नाम का पर्यायवाची शब्द बताइए।

....

ख. 'सर्प' शब्द के दो पर्यायवाची शब्द बताइए।

....

ग. 'आशा' शब्द का विलोम शब्द क्या होता है?

....

घ. 'प्रजातंत्र' शब्द के लिए वाक्यांश बताइए।

....

2. दिए गए शब्दों के गलत पर्यायवाची शब्द पर घेरा लगाइए।

क. ईश्वर – भगवान भूपति   ख. रात – वात   रात्रि

ग. पेड़ – वृक्ष   घन   घ. पहाड़ – पर्वत   अनल

ङ. घर – भवन   विटप

3. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द दीजिए।

वाक्यांश	शब्द
क. जो परीक्षा में पास हो	________
ख. बहुत अधिक बोलने वाला	________
ग. बड़ा भाई	________
घ. जिसका भाग्य अच्छा हो	________
ङ. अच्छे आचरण वाला	________
च. भाग्य के भरोसे रहने वाला	________

4. निम्नलिखित शब्दों के अनेकार्थी शब्द लिखिए।

क. वार –	________	________	________
ख. घन –	________	________	________
ग. मत –	________	________	________
घ. उत्तर –	________	________	________
ङ. तीर –	________	________	________
च. काल –	________	________	________

5. निम्नलिखित वाक्यों को रेखांकित शब्दों के विलोम शब्दों से पूरा कीजिए।

क. गुलाब का फूल सुगंध देता है तो कूड़े के ढेर से .... आती है।

ख. हमें अपने बड़ों का आदर करना चाहिए न कि उनका ....।

ग. गांधी जी का हथियार अहिंसा था न कि ....।

घ. प्रत्येक व्यक्ति के भीतर गुण तथा ...., दोनों ही विद्यमान रहते हैं।

ङ. भारत 15 अगस्त, 1947 को स्वाधीन हुआ, इसके पहले तक यह .... था।

विराम-चिह्न पाठ योजना: 13

आज की अवधारणा

छात्रों को 'विराम' शब्द का अर्थ व 'विराम-चिह्न' के बारे में बताना। विराम-चिह्न की परिभाषा से अवगत कराना।

विराम-चिह्न के चारों प्रकार को उदाहरण सहित स्पष्ट करके समझाना। सभी विराम-चिह्नों में अंतर स्पष्ट करना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

छात्र पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द तथा अनेकार्थी शब्द की परिभाषा व उसके उदाहरणों से परिचित हैं।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में विराम-चिह्नों के प्रयोग संबंधी नियमों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- विराम-चिह्न के बारे में सोचने और विचार करने में,
- अलग-अलग वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसमें लगने वाले विराम-चिह्न को पहचानने में,
- वाक्य बनाकर उसमें लगने वाले विराम-चिह्नों के प्रयोग के बारे में,

पाठ का उद्‌देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्‌देश्य है–

- छात्रों को भाषा में विराम-चिह्नों की महत्ता व उपयोगिता बताना।
- प्रत्येक विराम-चिह्न की अलग-अलग उपयोगिता समझाना।
- सभी विराम-चिह्नों के बीच अंतर स्पष्ट करके समझाना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों में विराम-चिह्नों के प्रति कौतूहल उत्पन्न करके इस दिशा में उनकी कल्पना को पंख देना।

गतिविधियाँ

आप अपनी कक्षा में मित्र को कोई कहानी या घटना सुनाएँ। आपका मित्र सुनकर कहानी या घटना को अपनी कॉपी में लिखेगा।

दूसरा मित्र उसकी कॉपी में से पढ़कर बताएगा कि उसने किन-किन विराम-चिह्नों का प्रयोग किया है। यह भी बताएगा कि क्या कहीं विराम-चिह्नों का गलत प्रयोग भी किया है। इसी तरह आपका मित्र कहानी सुनाएगा, आप लिखेंगे या अन्य मित्र लिखेगा और आप पढ़कर सुनाएँगे।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध विराम-चिह्न संबंधी पुस्तकें।
- यूट्यूब पर विराम-चिह्नों के प्रयोग संबंधी वीडियो क्लिप्स।
- कक्षा में विराम-चिह्नों की जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समयः पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरूआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि जब हम बातचीत करते हैं, तब अपनी बात को ठीक ढंग से समझाने के लिए बीच-बीच में रुकते हैं, इसे विराम कहते हैं। विराम का अर्थ है-रुकना। वहीं लिखते समय वाक्यों के बीच-बीच में थोड़ी देर रुकने का संकेत करने वाले चिह्नों को विराम-चिह्न कहते हैं।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्यः छात्रों को विराम के संबंध में बताना तथा उसके प्रकारों को जानने संबंधी उत्सुकता जागृत करना।	• अध्यापक छात्रों को पहले बताएँ कि जहाँ वाक्य पूर्ण होता है, वहाँ पूर्ण विराम-चिह्न का प्रयोग होता है तथा पढ़ते अथवा बोलते समय थोड़ा कम रुकने के लिए अल्प विराम-चिह्न का प्रयोग किया जाता है। • पुस्तक की सहायता से पाठ में से पूर्ण विराम और अल्प विराम से संबंधित वाक्यों के उदाहरणों का वाचन करें व बीच-बीच में छात्रों से प्रश्न पूछें। • बच्चों को बताएँ कि वाक्यों में विराम-चिह्न लगाने से वाक्यों का अर्थ स्पष्ट होता है। • फिर उन्हें बताएँ कि प्रश्नवाचक वाक्यों के अंत में प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग किया जाता है, तथा आश्चर्य, प्रसन्नता, दुख, घृणा, आदि को व्यक्त करने वाले शब्द के बाद अथवा कभी-कभी ऐसे वाक्यांश या वाक्य के अंत में भी विस्मयादिबोधक चिह्न का प्रयोग किया जाता है। • अध्यापक श्यामपट्ट पर एक अनुच्छेद विराम-चिह्न रहित लिखे व छात्रों को उसे अपनी उत्तर पुस्तिका में विराम चिह्न का प्रयोग करते हुए उतारने को कहें।

	• छात्रों को बताएँ कि विराम-चिह्नों के बिना वाक्य में कोई विशेषता नहीं रह जाती है। • उनसे पूछें कि यदि वह कहानी लिखते समय विराम-चिह्न का गलत प्रयोग कर दें तो क्या होगा?
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्यः अधिगम मूल्यांकन **समयः पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो कुछ सीखा है, उसकी संक्षिप्त में चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. दिए गए वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग कीजिए।

क. पिता जी ने कहा हम कल नानी के घर जाएँगे

....

ख. आप कहाँ से आ रहे हैं

....

ग. शाबाश तुमने बहुत अच्छा कार्य किया।

....

घ. वह फूल तोड़ती है

....

2. निम्नलिखित में कौन-से विराम चिह्न का प्रयोग होना चाहिए?

क. वाक्य की समाप्ति पर – ....

ख. प्रसन्नता प्रकट करने के लिए – ....

ग. थोड़ा रुकने के लिए – ....

घ. प्रश्न पूछने के लिए – ....

3. दिए गए विराम-चिह्नों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए।

क. (?) – ....
....

ख. (।) – ....
....

ग. (!) – ....
....

घ. (,) – ....
....

4. दिए गए अनुच्छेद में उचित विराम-चिह्नों का प्रयोग कीजिए।

मंत्री राय सिंह ने खड़े हुए एक सिपाही से पूछा यह शोर कैसा है सिपाही ने कहा मंत्री जी अभी-अभी पहरेदारों ने एक आदमी को पकड़ा

अशुद्धि-शोधन पाठ योजनाः 14

आज की अवधारणा

छात्रों को अशुद्धि शोधन के बारे में बताना। वर्तनी व वाक्यों की अशुद्धियों से उन्हें अवगत कराना। उन्हें समझाना कि शुद्ध उच्चारण द्वारा भाषा की अशुद्धियों को दूर किया जा सकता है।

पूर्ववर्ती ज्ञान

विद्यार्थी जानते हैं कि वाक्यों के बीच में लिखते समय थोड़ी देर रुकने का संकेत करने वाले चिह्नों को विराम-चिह्न कहते हैं।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में वर्तनी व वाक्य संबंधी अशुद्धियों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- शब्दों व वाक्यों का शुद्ध उच्चारण करने में,
- वाचन एवं लेखन के दौरान होने वाली वर्तनी संबंधी अशुद्धियों पर ध्यान देने में

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को वर्तनी व वाक्य अशुद्धियों का ज्ञान करवाना।
- वर्तनी संबंधी अशुद्धियों को दूर कर शुद्ध उच्चारण करने के लिए प्रेरित करना।
- इन अशुद्धियों को दूर कर भाषा के वाचन एवं लेखन में सुधार करवाना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों में अशुद्धि-शोधन के प्रति कौतूहल उत्पन्न करके इस दिशा में उनकी कल्पना को पंख देना।

गतिविधियाँ

अपने किसी अहिंदी मित्र के साथ बातचीत करें तथा देखें कि उसके उच्चारण और आपके उच्चारण में क्या अंतर है।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध अशुद्धि-शोधन संबंधी पुस्तकें।
- यूट्यूब पर शुद्ध उच्चारण संबंधी वीडियो क्लिप्स।
- कक्षा में वर्तनी व वाक्य संबंधी जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। कुल समय : पाँच मिनट	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरूआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि हिंदी भाषा विश्व की एकमात्र ऐसी भाषा है। जिसे हम जैसा बोलते हैं, वैसा ही लिखते हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए भाषा को शुद्ध होना बहुत जरूरी है। यदि उच्चारण शुद्ध होगा, तो भाषा की अशुद्धियों को दूर किया जा सकता है।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य: छात्रों को अशुद्धि शोधन के बारे में बताना। उनमें वर्तनी व वाक्य संबंधी अशुद्धियों को जानने के प्रति रूचि जागृत कर	• छात्रों को बताएँ कि हिंदी भाषा की सही जानकारी के लिए वह ये जान लें कि भाषा में अशुद्धियाँ दो प्रकार की होती हैं– वर्तनी संबंधी अशुद्धियाँ तथा वाक्य संबंधी अशुद्धियाँ। • वर्तनी संबंधित अशुद्धियों पर बात करते हुए उन्हें बताएँ कि व्याकरण के नियमों का पर्याप्त ज्ञान न होना हमारी अशुद्ध वर्तनी का प्रमुख कारण है। • प्राय: यह देखा जाता है कि जो अहिंदी भाषी लोग होते हैं वे अपने सामान्य जीवन में अंग्रेज़ी भाषा के शब्दों को अधिक प्रमुखता देते हैं। अत: इस कारण भी हम लेखन के दौरान-वर्तनी संबंधी अशदधि कर बैठते हैं। • छात्रों को इस बात से परिचित कराएँ कि शब्दों का अशुद्ध उच्चारण करने के कारण की हमारे लेखन में उसी प्रकार की अशुद्ध वर्तनी का प्रयोग किया जाता है। • फिर उन्हें समझाएँ कि प्रत्येक भाषा की मूल संरचना वाक्यों पर ही आधारित होती है, इसलिए यह अनिवार्य है कि वाक्य-रचना के दौरान उसके पदों के निश्चित क्रम पर विशेष ध्यान दिया जाए। • पदों के क्रम पर ध्यान न दिए जाने से कई प्रकार की अशुद्धियाँ दिखाई पड़ती हैं। • वाक्य अशुद्धि के कई मूल कारण है। गलत सर्वनाम के प्रयोग से, अधूरी क्रिया के प्रयोग से तथा क्रिया को वचन या लिंग के अनुसार न बदलने से।

	• अतः वाक्य के वाचन एवं लेखन के दौरान उसकी शुद्धता, स्पष्टता एवं सार्थकता का ध्यान रखना आवश्यक है।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्यः अधिगम मूल्यांकन समयः पाँच मिनट	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. निम्नलिखित शब्दों में से शुद्ध शब्द पर घेरा लगाइए।

क.	सुलेख	शुलेख	षुलेख
ख.	आशीवार्द	आर्शिवाद	आशीर्वाद
ग.	सूधारने	सुधारने	शुधारने
घ.	शरीरिक	शारीरीक	शारीरिक

2. अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए।

क. वह काम किया।

....

ख. बगीचा में बहुत सारा फूल खिला है।

....

ग. नवीन के तीन बहन है।

....

घ. हम सब घूमने जाएगा।

....

ङ. मैं रात भर पढ़ता रही।

....

3. दिए गए अशुद्ध शब्दों को शुद्ध कर के लिखिए।

क. मिठाईयाँ – ....

ख. प्रशाद – ....

ग. क्योंकी – ....

घ. पत्नि – ....

ङ. नमश्कार – ....

मुहावरे पाठ योजनाः 15

आज की अवधारणा

छात्रों को मुहावरों के बारे में बताना। मुहावरों की उपयोगिता तथा उसके उदाहरणों से अवगत कराना। भाषा में मुहावरों की महत्ता समझाना। मुहावरों के विशेषताएँ बताना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

विद्‌यार्थी 'अशुद्‌धि-शोधन' पाठ से परिचित है। वह जानते हैं कि बातचीत करते समय तथा लिखते समय हमें भाषा की शुद्‌धता का ध्यान रखना चाहिए। यदि भाषा शुद्‌ध नहीं होगी, तो सुनने या पढ़ने वाला आपकी बात को ठीक से नहीं समझ पाएगा।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में मुहावरे प्रयोग को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- मुहावरों के बारे में सोचने और विचार करने में,
- वाक्यों को ध्यानपूर्वक सुनकर उसमें लगे मुहावरे को पहचानने में,
- मुहावरों के अर्थ को समझने और जानने में,

पाठ का उद्‌देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्‌देश्य है–

- छात्रों को दैनिक जीवन की भाषा में मुहावरों का महत्व बताना।
- वाक्य में मुहावरों का प्रयोग बताना।
- वाक्यों को सुनकर उसमें लगे मुहावरों के अर्थ को जानने की उत्सुकता पैदा करना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों को अलग-अलग चित्रों को जोड़कर बनने वाले मुहावरों को जानने के प्रति कौतूहल उत्पन्न करके उनकी कल्पना को पंख देना।

गतिविधियाँ

अध्यापक श्यामपट्ट पर कुछ वाक्य लिखें जैसे–

1. तुम व्यर्थ ही क्यों <u>हँसते रहते हो</u>।
2. रात में अचानक बिजली चले जाने पर मैं बहुत <u>घबरा गया</u>।
3. चित्र बनाना तो मेरे लिए बहुत <u>आसान काम</u> है।
4. रानी लक्ष्मीबाई ने युद्‌ध में अंग्रेज़ों को <u>हरा दिया</u>।

अब रेखांकित शब्दों को ध्यान में रखते हुए एक-एक करके किसी छात्र से कक्षा में अभिनय करवाइए और अन्य छात्रों से उन रेखांकित शब्दों के लिए उचित मुहावरा बताने को कहें।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्‌यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध मुहावरे संबंधी व्याकरण की पुस्तकें।
- यूट्‌यूब पर मुहावरे प्रयोग संबंधी वीडियो क्लिप्स।
- कक्षा में शरीर के अंगों से संबंधित मुहावरों की जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्‌देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय: पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरूआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि कई बार हम मुख से कुछ ऐसे वाक्य बोलते हैं, जो एक विशेष अर्थ देते हैं अर्थात् उनका अर्थ उनमें आए शब्दों से अलग होता है। इन्हें हम मुहावरे कहते हैं। ये मुहावरे आसपास की वस्तुओं या प्राणियों की विशेषताओं एवं विशेष गुणों को देखकर ही बनाए जाते हैं।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्‌देश्य: छात्रों को मुहावारो के संबंध में बताना। उनमें मुहावरों के प्रयोग को जानने के संबंध में उत्सुकता जागृत करना।	• छात्रों को बताएँ की मुहावरों के प्रयोग से वाक्य व उसका अर्थ अत्यंत रोचक और आकर्षक हो जाता है। • उन्हें अलग-अलग शब्द बोलकर उनसे संबंधित मुहावरा बनाने को कहें तथा उन्हें कोई मुहावरा देकर उसका वाक्य प्रयोग करने को भी कह सकते हैं। • ये मुहावरे आस पास की वस्तुओं या प्राणियों की विशेषताओं एवं विशेष गुणों को देखकर ही बनाए जाते हैं। • छात्रों को कोई भी कहानी लिखकर उसमें अधिकाधिक मुहावरों का प्रयोग करने को भी कह सकते हैं। • उन्हें समझाएँ कि मुहावरों के प्रयोग से हमारी लेखन कला और अच्छी होती है। ये मुहावरे साधारण अर्थ को विशिष्ट अर्थ में बदल देते हैं। • श्यामपट्‌ट पर कुछ चित्र बनाकर छात्रों से उनसे संबंधित मुहावरों व उसके अर्थ के बारे में भी पूछा जा सकता है।

	• जब छात्र मुहावरों से भली-भाँति परिचित हो जाएँ तब उन्हें शरीर के अंगो से संबंधित पाँच मुहावरे व उसका वाक्य प्रयोग करके लाने को कहें।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य: अधिगम मूल्यांकन **समय: पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. दिए गए मुहावरों की सहायता से वाक्य पूरे कीजिए।

पहाड़ टूटना	घी के दीये जलाना	कान भरना
छक्के छुड़ाना	लाल-पीला होना	

क. श्रीराम भगवान जी के चौदह वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या वापिस आने की खुशी में लोगों ने ....।

ख. राधिका हमेशा अपनी छोटी बहन के खिलाफ अपनी माता जी के .... है।

ग. माता जी की अकस्मात् मृत्यु होने के कारण रिद्धिमा पर मानो जैसे ....।

घ. भारत-पाक के मैच में भारत ने पाकिस्तान के .... दिए।

ङ. पिता जी की छोटी-छोटी बातों पर समझाने भर से ही रोहित आजकल .... होने लगा है।

2. दिए गए मुहावरों का अर्थ बताते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

क. नौ-दो ग्यारह होना - ....
....

ख. आँखों में धूल झोंकना - ....
....

ग. आँखें दिखाना - ....
....

घ. कलेजे का टुकड़ा - ....
....

3. दिए गए चित्रों को देखकर मुहावरों को पहचानिए।

क.

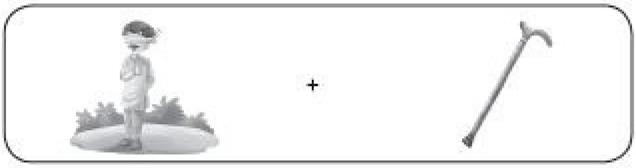

ख.

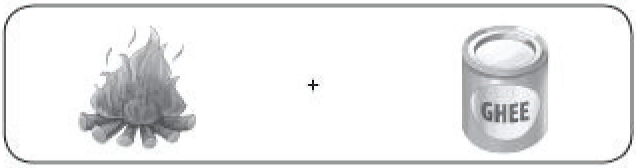

ग.

घ.

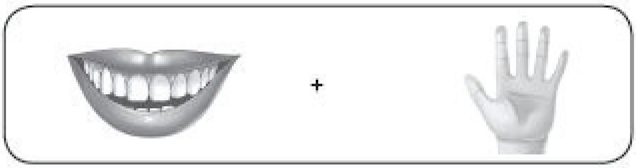

4. दिए गए वाक्यांशों में ऐसे शब्द भरिए कि उनसे मुहावरे बन जाएँ।

क. नानी .... आना;

ख. आस्तीन का .... ;

ग. हवा से .... करना;

घ. अक्ल का .... ;

ङ. अपने मुँह मिया .... बनना;

अपठित गद्यांश   पाठ योजनाः 16

आज की अवधारणा

छात्रों को अपठित शब्द का अर्थ बताना। अपठित गद्यांश क्या है, इस बात से परिचित कराना। अपठित गद्यांश को हल करने संबंधी जरूरी बातें बताना। भाषा में इसका महत्व समझाना तथा इसकी उपयोगिता से अवगत कराना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

विद्यार्थी मुहावरों की परिभाषा तथा उसके सभी उदाहरणों से भली-भाँति परिचित हैं। वह जानते हैं कि मुहावरों का प्रयोग कब और कहाँ करना चाहिए।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में अपठित गद्यांश को हल करने संबंधी आवश्यक बिंदुओं को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- अपठित गद्यांश के बारे में सोचने और विचार करने में,
- अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके उत्तर ढूँढ़कर उसे हल करने में,
- इसकी उपयोगिता व भाषा में इसकी महत्ता जानने में,

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को अपठित शब्द के अर्थ से परिचित कराना।
- अपठित गद्यांश संबंधी आवश्यक बातें बताना।
- छात्रों की चिंतन-मनन करने की क्षमता का विकास करना।
- अपठित गद्यांश को हल करते समय अनावश्यक विस्तार करने से रोकना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों में अपठित गद्यांश को हल करने संबंधी आवश्यक बिंदुओं को जानने के प्रति उत्सुकता उत्पन्न करके इस दिशा में उनकी कल्पना को पंख देना।

गतिविधियाँ

अलग-अलग विषयों पर आधारित गद्यांश देकर आपसी संवाद के माध्यम से प्रश्नोत्तरी खेलना।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध अपठित गद्यांश संबंधी व्याकरण की पुस्तकें।
- यूट्यूब पर अपठित गद्यांश को हल करने संबंधी आवश्यक बिंदुओं को दिखाती वीडियो क्लिप्स।
- कक्षा में अपठित गद्यांश को हल करते समय याद रखने वाले आवश्यक बिंदुओं को चार्ट पेपर।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। कुल समय : पाँच मिनट	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ की आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि अपठित का अर्थ होता है–'जो पहले कभी पढ़ा न गया हो' और गद्यांश का अर्थ होता है–'गद्य का भाग या अंश'। यानि कि पहले से न पढ़े गए गद्य के अंश को अपठित गद्यांश कहते हैं।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य : छात्रों को अपठित गद्यांश के संबंध में बताना तथा हल करने संबंधी आवश्यक बातों को जानने के लिए उत्सुकता जागृत करना।	• छात्रों को बताएँ कि अपठित गद्यांश में अनुच्छेद को पढ़कर उससे संबंधित उत्तर देने होते हैं। सिर्फ उन्हें इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि उत्तर अनुच्छेद में से ही हों। उन्हें अपनी तरफ से नई जानकारी शामिल नहीं करनी चाहिए। • इसके अभ्यास से विद्यार्थियों की भाषा पर पकड़ मजबूत होती है तथा व्याकरण का ज्ञान भी बढ़ता है। • अपठित गद्यांश को हल करते समय कुछ आवश्यक बातें ध्यान में रखनी चाहिए। ये आवश्यक बातें श्यामपट्ट पर लिखकर बच्चों को समझाएँ। • उन्हें बताएँ कि किसी भी गद्यांश को बिना किसी की सहायता के पढ़ना और पढ़कर उसे समझना ही अपठित गद्यांश का लक्ष्य है। • छात्रों को समझाएँ कि अपठित गद्यांश का निरंतर अभ्यास करने से उनके सामान्य ज्ञान में वृद्धि होगी और अभिव्यक्ति की क्षमता का भी विकास होगा।

	• उन्हें संबंधित उदाहरणों के प्रश्नों को हल करने के लिए प्रेरित करें। जहाँ कहीं आवश्यकता लगे, उनकी मदद करें। इस प्रकार छात्रों को अपठित गद्यांश का संप्रत्यय अच्छी तरह समझ आएगा। • जहाँ कहीं जरूरत लगे उनकी समस्या का निदान करें ताकि वे शीघ्रता से गद्यांशों को हल करना सीख सकें।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य: अधिगम मूल्यांकन **समय: पाँच मिनट**	• छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो कुछ सीखा है, उसकी संक्षिप्त में चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

एक कौवे ने मोर के पंख लगा लिए और स्वयं को मोर समझकर मोर की टोली में जा घुसा। उसे देखकर सभी मोर उसे पहचान गए। फिर क्या, दूसरे ही पल सारे मोर उस पर झपट पड़े और चोंच मारकर उसे अपनी टोली से दूर भगा दिया। रोता हुआ कौवा अपने घर में वापस लौट आया। उसके अपने दोस्त भी उसकी इस हरकत से नाराज़ हो गए थे। वे सब भी उस पर टूट पड़े। सारे कौवों ने मिलकर उसके पंख नोच डाले। तभी कहा गया है कि नकल को अकल कहाँ।

क. कौवे ने किसके पंख लगा लिए थे?

....

ख. कौवा किसकी टोली में जा घुसा?

....

ग. रोता हुआ कौवा कहाँ लौट आया?

....

घ. कौवे के दोस्त उससे नाराज़ क्यों हो गए थे?

....

ङ. कौवे के दोस्तों ने मिलकर कौवे के क्या नोच डाले?

....

2. दिए गए गद्यांश को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

हुदहुद एक बहुत ही सुंदर पक्षी है। इसके शरीर का सबसे सुंदर भाग इसके सिर की कलगी होती है। वैसे तो यह इसे समेटे रहता है, पर जैसे ही किसी तरह की आवाज़ होती है तो यह चौकन्ना होकर परों को फैला लेता है। तब यह कलगी देखने में हू-ब-हू किसी सुंदर पंखी

जैसी लगने लगती है। हुदहुद का सारा शरीर रंग-बिरंगा और चटकीला होता है। इसके पंख काले होते हैं जिन पर मोटी सफ़ेद धारियाँ बनी होती हैं। गर्दन का अगला हिस्सा बादामी रंग का होता है। हुदहुद की दुम का भीतरी हिस्सा सफ़ेद तथा बाहरी हिस्सा काले रंग का होता है। इसकी चोंच पतली, लंबी तथा तीखी होती है। इस चोंच के ज़रिए यह आसानी से ज़मीन के भीतर छिपे हुए कीड़े-मकोड़ों को ढूँढ निकालता है। इसकी चोंच नाखून काटने वाली नहरनी से बहुत मिलती है और शायद इसीलिए कहीं-कहीं इसे 'हज़ामिन चिड़िया' के नाम से भी पुकारते हैं।

क. हुदहुद के शरीर का सबसे सुंदर अंग कौन-सा है?

....

ख. किसी आवाज़ को सुनकर हुदहुद क्या करता है?

....

ग. हुदहुद के पंख कैसे होते हैं?

....

घ. हुदहुद अपनी चोंच से किन्हें ढूँढ निकालता है?

....

ङ. हुदहुद को 'हजामिन चिड़िया' के नाम से क्यों पुकारा जाता है?

....

3. दिए गए अपठित गद्यांश के आधार पर संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

वृक्ष जितने बड़े और घनाकार होते हैं, उनका काम भी उतना ही कठिन होता है। इनकी हरियाली आँखों को ठंडक पहुँचाती है। इनसे हमें छाया, शुद्ध हवा, फल-फूल तथा लकड़ियाँ आदि मिलते हैं। पेड़ों के कारण बरसात भी होती है। अनेक प्रकार के पक्षी इन पर घोंसले बनाकर रहते हैं। घरों और बगीचों की सुंदरता पेड़-पौधों से बढ़ती है। इतना सब कुछ देने के बावजूद पेड़-पौधे हमसे बदले में कुछ भी नहीं लेते। इनसे सीख लेकर हमें भी दूसरों की भलाई करनी चाहिए।

क. पेड़ों से हमें क्या-क्या चीज़ें मिलती हैं?

....

ख. पेड़ों के कारण क्या होता है?

....

ग. पक्षी अपना घोंसला कहाँ बनाते हैं?

....

घ. हमारी आँखों को कौन ठंडक पहुँचाता है?

....

ङ. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक छाँटकर लिखिए।

....

पत्र-लेखन पाठ योजनाः 17

आज की अवधारणा

छात्रों को पत्र-लेखन के बारे में बताना। पत्रों के प्रकार बताना। औपचारिक व अनौपचारिक पत्रों में अंतर स्पष्ट करना। पत्र का प्रारूप समझाना तथा पत्र-लेखन करते समय ध्यान रखने योग्य आवश्यक बातें बताना। दैनिक जीवन में पत्रों की महत्ता व उनकी उपयोगिता से अवगत कराना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

छात्र परिचित हैं कि अपठित गद्यांश वह गद्यांश है, जिसे आपने पाठ्यपुस्तक में नहीं पढ़ा। किसी की गद्यांश को बिना किसी सहायता के पढ़ना और पढ़कर उसे समझना ही अपठित गद्यांश का लक्ष्य है।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में पत्र-लेखन संबंधी आवश्यक बातों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- पत्र लेखन के बारे में सोचने और विचार करने में,
- पत्रों के प्रकार व उनकी उपयोगिता जानने में,
- पत्र लेखन संबंधी आवश्यक बातें कौन-सी हैं, यह जानने में,

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को यह समझाना कि पत्र लेखन की जीवन में कितनी उपयोगिता है।
- उपयोगिता और अनौपचारिक पत्रों की अलग-अलग उपयोगिताओं को समझाना।
- पत्र लेखन संबंधी आवश्यक बातों को जानने के प्रति उत्सुकता पैदा करना और उनकी जानकारी देना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों में अलग-अलग विषयों से संबंधित पत्र-लेखन के प्रति उत्सुकता उत्पन्न करके इस दिशा में उनकी कल्पना को पंख देना।

गतिविधियाँ

- पत्रों पर लगने वाली डाक टिकटों का संग्रह कीजिए और एक एलबम बनाइए।
- पुराने समय में प्रयोग होने वाले तरह-तरह के पत्रों का सग्रंह कीजिए; जैसे– पोस्टकार्ड अंतर्देशीय पत्र, टेलीग्राम आदि।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध औपचारिक व अनौपचारिक पत्र संबंधी पुस्तकें।
- यूट्यूब पर पत्रों के प्रारूप संबंधी वीडियो क्लिप्स।
- कक्षा में पत्र-लेखन संबंधी आवश्यक बातें लिखा हुआ चार्ट पेपर।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। कुल समय : पाँच मिनट	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरूआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि पत्र लिखित भाषा का एक रूप है। वर्तमान समय में संचार के नए-नए साधनों के होने के बावजूद पत्र आज भी संचार का एक महत्वपूर्ण साधन है।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्यः छात्रों को पत्र के संबंध में बताना। उनमें पत्र के प्रारूप व उसके प्रकारों के संबंध में उत्सुकता जागृत करना।	• छात्रों को बताएँ कि पत्र दो प्रकार के होते हैं। श्यामपट्ट पर अध्यापक अनौपचारिक व औपचारिक पत्र की परिभाषा लिखकर छात्रों को समझाएँ। • पत्र के माध्यम से मानव सरलतापूर्वक और प्रभावकारी ढंग से अपने मनोभावों एवं विचारों को दूसरों तक पहुँचाता है। • पत्र को सदैव सरल भाषा में लिखना चाहिए, जिससे पढ़ने वाला आसानी से समझ ले। • छात्रों को स्पष्ट करें कि पत्र-लेखन के कुछ नियम होते हैं, यदि इन नियमों का पालन नहीं किया जाए तो अर्थ स्पष्ट नहीं होता है। • पत्र का मुख्य संदेश तथा इच्छित विचार बिंदुओं को ध्यान में रखकर लिखा जाना चाहिए। • उन्हें बताएँ कि अनौपचारिक पत्र में तिथि लिखने के बाद संबोधन और उसके अनुसार अभिवादन लिखना चाहिए। • छात्रों के अलग-अलग समूह बनाएँ और एक समूह को औपचारिक तथा दूसरे को अनौपचारिक पत्र से संबंधित पत्र दें और उनसे उन विषयों पर पत्र लिखने के लिए कहें।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समयः पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो कुछ सीखा है, उसकी संक्षिप्त में चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. **निम्नलिखित विषयों पर अनौपचारिक पत्र लिखिए।**

    क. जन्मदिन का निमंत्रण पत्र देते हुए मित्र को पत्र लिखिए।

    ....

    ....

    ....

    ....

    ....

    ....

    ....

    ....

    ....

    ....

    ....

    ....

    ....

    ....

    ख. विद्यालयी यात्रा का वर्णन करते हुए अपने पिता को पत्र लिखिए।

    ....

    ....

    ....

    ....

    ....

    ....

    ....

    ....

    ....

    ....

    ....

    ....

    ....

    ....

क. निम्नलिखित विषयों पर औपचारिक पत्र लिखिए।

1. शुल्क (फ़ीस) माफ़ी के लिए प्रधानाचार्य को प्रार्थना-पत्र लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

2. विवाह में जाने हेतु प्रधानाचार्य को अवकाश के लिए पत्र लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

अनुच्छेद-लेखन　　　　पाठ योजनाः 18

आज की अवधारणा

छात्रों को अनुच्छेद-लेखन के बारे में बताना। अनुच्छेद लेखन का महत्व व उसकी उपयोगिता से अवगत कराना। अनुच्छेद लेखन करते समय ध्यान रखने योग्य आवश्यक बातें समझाना। भिन्न-भिन्न विषयों पर अनुच्छेद-लेखन से परिचित कराना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

छात्र परिचित हैं कि आपसी संपर्क बनाए रखने का सबसे उत्तम साधन पत्र हैं। पत्र के द्‌वारा ही अपने संदेश मित्रों व रिश्तेदारों तक आसानी से पहुँचा सकते हैं। यह एक संदेश पहुँचाने सबसे सस्ता साधन है

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में अनुच्छेद-लेखन संबंधी आवश्यक बातों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- अनुच्छेद-लेखन के बारे में सोचने और विचार करने में,
- अनुच्छेद-लेखन का महत्व व उसकी उपयोगिता जानने में,
- अनुच्छेद-लेखन संबंधी आवश्यक बातें कौन-सी हैं, यह जानने में।

पाठ का उद्‌देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्‌देश्य है–

- छात्रों को यह समझाना कि अनुच्छेद-लेखन किस प्रकार किया जाता है।
- अनुच्छेद-लेखन करते समय कैसी भाषा का प्रयोग करना चाहिए, इस बात से अवगत कराना।
- अनुच्छेद-लेखन के महत्व से परिचित कराकर उससे संबंधी आवश्यक बातों को जानने की उत्सुकता पैदा करना और उनकी जानकारी देना।

लक्ष्य कौशल

श्यामपट्‌ट पर किसी विषय संबंधित कुछ संकेत बिंदुओं को लिखना तथा छात्रों में उन संकेत बिंदुओं को जोड़ते हुए उस विषय पर अनुच्छेद लिखने के प्रति रुचि उत्पन्न करके इस दिशा में उनकी कल्पना को पंख देना।

गतिविधियाँ

- आपसी चर्चा, चित्र एवं संकेतों के माध्यम से अनुच्छेद-लेखन का ज्ञान कराना तथा अलग-अलग विषयों पर अनुच्छेद लिखने को कहना।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्‌यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध अनुच्छेद लेखन संबंधी पुस्तकें।
- यूट्यूब पर विभिन्न विषयों पर अनुच्छेदों की वीडियो क्लिप्स।
- कक्षा में अनुच्छेद-लेखन संबंधी आवश्यक बातें लिखा हुआ चार्ट पेपर।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्‌देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय: पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरूआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि किसी एक भाव या विचार को व्यक्त करने के लिए लिखे गए संबद्‌ध और लघु वाक्य-समूह को अनुच्छेद-लेखन कहते हैं।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्‌देश्य: छात्रों को अनुच्छेद-लेखन के संबंध में बताना। उनमें अनुच्छेद-लेखन संबंधी आवश्यक बातों को जानने के लिए उत्सुकता जागृत करना।	• छात्रों को बताएँ कि जिस प्रकार अंग्रेज़ी में किसी भी विषय पर 'पैराग्राफ' लिखते हैं उसी प्रकार हिंदी में अनुच्छेद लिखते हैं। • यह निबंध का संक्षिप्त रूप होता है। निबंध और अनुच्छेद में सिर्फ यह अंतर है कि निबंध के अंदर कई अनुच्छेद होते हैं। परंतु अनुच्छेद केवल एक ही होता है। • अनुच्छेद में हर वाक्य मूल विषय से जुड़ा हुआ होता है। इसमें अनावश्यक विस्तार नहीं करना चाहिए। • अध्यापक श्यामपट्‌ट पर अनुच्छेद लेखन के समय ध्यान रखने योग्य बातों को लिखकर छात्रों को समझाएँ। • छात्रों को बताएँ कि अनुच्छेद को मुहावरों का प्रयोग करके अधिक प्रभावशाली बनाया जा सकता है। • आपसी चर्चा द्‌वारा अध्यापक, छात्रों से पूछें कि वे किन-किन माध्यमों से अपने विचारों को प्रकट कर सकते हैं। • अध्यापक स्वयं कोई एक विषय लेते हुए उसके संकेत-बिंदुओं को श्यामपट्‌ट पर लिखें। अब प्रत्येक संकेत-बिंदु को स्पष्ट करते हुए अनुच्छेद का निर्माण करके छात्रों के समक्ष उदाहरण प्रस्तुत करें।
पाठ की समाप्ति	
उद्‌देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय: पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो कुछ सीखा है, उसकी संक्षिप्त में चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. दिए गए विषयों पर अनुच्छेद लिखिए।

क. कंप्यूटर

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

ख. समय का सदुपयोग

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

ग. राष्ट्रीय पक्षी मोर

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

निबंध-लेखन — पाठ योजनाः 19

आज की अवधारणा

छात्रों को निबंध-लेखन के बारे में बताना। निबंध-लेखन का महत्व व उसकी उपयोगिता से परिचित कराना। अलग-अलग विषयों पर निबंध-लेखन के उदाहरणों का बोध कराना। निबंध-लेखन संबंधी महत्वपूर्ण बातों से अवगत कराना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

विद्यार्थी जानते हैं कि किसी एक भाव या विचार पर लिखा गया लेख अनुच्छेद-लेखन कहलाता है। इसमें विषय पर एक क्रम में अपने विचार लिखे जाते हैं तथा इसकी भाषा सरल, स्पष्ट व शुद्ध होनी चाहिए।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में विभिन्न विषयों पर निबंध लिखने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- निबंध-लेखन के बारे में सोचने और विचार करने में,
- निबंध-लेखन का महत्व व उसकी उपयोगिता जानने में,
- निबंध-लेखन संबंधी महत्वपूर्ण बातें जानने में।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को यह समझाना कि निबंध-लेखन कैसे किया जाता है।
- निबंध-लेखन के महत्व से परिचित कराकर विभिन्न विषयों पर निबंध-लेखन करने के लिए उत्सुकता पैदा करना।
- निबंध-लेखन करते समय ध्यान रखने योग्य महत्वपूर्ण बातें समझाना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों में भिन्न-भिन्न विषयों पर निबंध-लेखन के प्रति रुचि जागृत करके इस दिशा में उनकी कल्पना को पंख देना।

गतिविधियाँ

- अलग-अलग विषयों के नामों की परचियाँ बनाना तथा प्रत्येक छात्र से एक-एक परची उठवाना तथा उसमें लिखे विषय पर निबंध लिखकर लाने को कहना।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध निबंध-लेखन संबंधी पुस्तकें।
- यूट्यूब पर विभिन्न विषयों पर निबंधों के वीडियो क्लिप्स।
- कक्षा में निबंध-लेखन संबंधी आवश्यक बातें लिखा हुआ चार्ट पेपर।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समयः पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरूआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि निबंध का अर्थ 'बँधी हुई रचना' है। इसमें हर वाक्य एक-दूसरे से जुड़ा होता है।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य : छात्रों को निबंध-लेखन के संबंध में बताना। उनमें निबंध-लेखन संबंधी आवश्यक बातों को जानने के लिए उत्सुकता जागृत करना।	• छात्रों को बताएँ कि निबंध अलग-अलग अनुच्छेदों में लिखा जाता है। निबंध का आकार अनुच्छेद से बड़ा होता है। • उन्हें समझाएँ कि निबंध में रूपरेखा के अनुसार अपनी बात का अनुच्छेदों में लेखन करना चाहिए। • निबंध को शुद्ध व सरल भाषा में लिखना चाहिए तथा उसकी शब्द सीमा पर विशेष ध्यान रखना चाहिए। • किसी भी निबंध को मुख्य रूप से तीन भागों में बाँटा जा सकता है– – आरंभ (प्रस्तावना)–निबंध का सामान्य परिचय। – मध्य भाग (विषयवस्तु)–निबंध की विषयवस्तु। – उपसंहार–निबंध की विषयवस्तु का समापन। • ध्यान रखें कि निबंध में वाक्यों को बार-बार दोहराना नहीं चाहिए तथा उसके अंत में निबंध का सार, निष्कर्ष, संदेश या विषय पर सम्मति प्रकट करनी चाहिए। • छात्रों को अलग-अलग विषय देकर उन पर निबंध लिखने के लिए कहना और प्रतिपुष्टि करना। • उन्हें बताएँ कि मुहावरे, सुक्ति, कविता या महापुरुषों के कथन के उल्लेख से निबंध प्रभावशाली लगते हैं।

पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो कुछ सीखा है, उसकी संक्षिप्त में चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. दिए गए विषयों पर निबंध लिखिए।

क. मित्रता

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

ख. हमारा प्यारा भारतवर्ष

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

ग. होली

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

घ. मेरा विद्यालय

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

चित्र-वर्णन

पाठ योजना: 20

आज की अवधारणा

छात्रों को चित्र-वर्णन के बारे में बताना। चित्र-वर्णन की महत्ता तथा उपयोगिता से अवगत कराना। चित्र-वर्णन करते समय ध्यान रखने योग्य आवश्यक बातें समझाना। अलग-अलग चित्र दिखाकर चित्र-वर्णन करने के लिए प्रेरित करना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

विद्यार्थी जानते हैं कि निबंध में हर वाक्य एक-दूसरे से जुड़ा होता है। निबंध के द्वारा हम अपने भावों और विचारों को सशक्त ढंग से व्यक्त कर सकते हैं।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में चित्र-वर्णन संबंधी ध्यान रखने योग्य आवश्यक बातों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- चित्र वर्णन के बारे में सोचने और विचार करने में,
- चित्र वर्णन की उपयोगिता तथा महत्व जानने में,
- चित्र-वर्णन संबंधी महत्वपूर्ण ध्यान रखने योग्य बातों को जानने में,

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को यह समझाना कि चित्र-वर्णन कैसे करते हैं।
- चित्र देखकर उसका अपने शब्दों में वर्णन करने के लिए प्रेरित करना।
- चित्र-वर्णन करते समय ध्यान रखने योग्य आवश्यक बातें समझाना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों को अलग-अलग चित्र दिखाकर उनका वर्णन करने के प्रति रुचि जागृत करके इस दिशा में उनकी कल्पना को पंख देना।

गतिविधियाँ

छात्रों को पहले अपनी कल्पना अनुसार कोई भी चित्र बनाकर लाने को कहना तथा फिर उनपर चर्चा करते हुए उसका वर्णन शब्दों में करने के लिए प्रोसाहित करना।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध चित्र-वर्णन संबंधी पुस्तकें।

- यूट्यूब पर चित्र-वर्णन करने संबंधी जानकारी देने वाले वीडियो क्लिप्स।
- कक्षा में चित्र-वर्णन संबंधी महत्वपूर्ण बातें लिखा हुआ चार्ट पेपर।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। कुल समय : पाँच मिनट	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरूआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि चित्र-वर्णन में एक चित्र दिया जाता है। उस चित्र को देखकर मन में जो भाव आते हैं, उन्हीं भावों को लिखकर चित्र का वर्णन किया जाता है।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्यः छात्रों को चित्र-वर्णन के बारे में बताना। उनमें चित्र-वर्णन करने संबंधी आवश्यक बातों को जानने के लिए उत्सुकता जागृत करना।	• छात्रों को बताएँ कि चित्र वर्णन में सर्वप्रथम चित्र को ध्यान से देखना चाहिए। उसके पश्चात् चित्र से संबंधित वस्तुओं पर ध्यान देना चाहिए। • फिर छोटे-छोटे वाक्यों में चित्र और उसके आस-पास की चीजों का वर्णन करना शुरू करें। • चित्र-वर्णन द्वारा भावों को अभिव्यक्त करने की क्षमता बढ़ती है। • श्यामपट्ट पर कोई चित्र बनाकर छात्रों से उसके संबंध में प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं। • अध्यापक स्वयं किसी का वर्णन करके छात्रों के समक्ष प्रत्यक्ष उदाहरण रखें, जिससे छात्र भली-भाँति विषय को समझ सकें। • चित्र में निहित क्रियाओं, स्थितियों एवं भावों का वर्णन अध्यापक द्वारा किया जाएगा। • छात्रों को अपनी-अपनी इच्छानसु ार किसी विषय पर चित्र वणर्न करने को कहें। फिर प्रत्येक छात्र को बुलाकर उनसे अपने द्वारा किए गए चित्र-वर्णन को कक्षा के अन्य छात्रों के समक्ष पढ़ने को कहें।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समयः पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त में चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. **दिए गए चित्रों को देखकर उनका वर्णन कीजिए।**

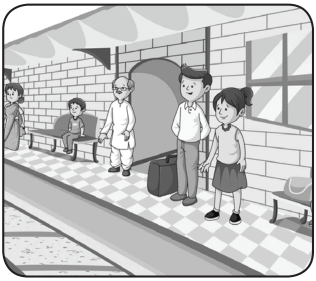

....

....

....

....

....

....

....

....